केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 216 सोमवार 3 मार्च 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्यः3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

वाहन को धक्का दे रहे लोगों को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचला, तीन की मौत

मुरादाबाद (आभा)। बरेली बाईपास पर कल्याणपुर के नजदीक रविवार सुबह खराब ट्रक को धक्का मार रहे मजदूरों को एक अन्य ट्रक ने कुचल दिया। दुर्घटना में तीन मजदूरों की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए। दुर्घटना के चलते बाईपास पर वाहनों की कतारें लग गई। इस बीच ट्रक चालक मौके भाग निकले। घटना के शिकार मजदूर गुडगांव से मजदूरी कर लखीमपुर खीरी स्थित अपने घर लौट रहे थे। लखीमपुर खीरी जिले के मजदूरी करने वाले 20 पुरुष और महिलाएं गुडगांव के सेक्टर 57 से शनिवार की रात घर जाने के लिए निकले थे। मजदूरों ने एक ट्रक पर सामान लादकर युवक संदीप कुमार को बैठा दिया। दूसरे ट्रक पर अन्य मजदूर सवार हो गए। सुबह चार बजे कटघर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर के नजदीक खराब ट्रक में धक्का मारने के लिए मजदूर उतर गए। इस बीच सब्जी से भरे दूसरे ट्रक ने टक्कर मारने के बाद पटल गया। इस दौरान तीन मजदूरों की कुचलने से मौत हो गई और आठ लोग बुरी तरह से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से भाग निकले। कटघर पुलिस ने तत्काल घायलों को इलाज के लिए एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेज दिया। अस्पताल में लखीमपुर खीरी जिले के ईसानगर चौरा गांव निवासी शंभू दयाल (45), गांव बेती सहदेव निवासी अशोक (30), मिथौली गांव निवासी लवकुश (29) को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

फाइनेंस कंपनी के प्रबंधक से मारपीट, मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोरखपुर। बड़हलगंज स्थित चोला मंडलम इन्वेस्टमेंट व फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के शाखा प्रबंधक दीपक कुमार तिवारी ने अपने पूर्व कर्मचारी उमेश तिवारी पर मारपीट का आरोप लगाया हैं। पुलिस केस दर्ज कर मामले की पड़ताल में जुटी है। तहरीर में प्रबंधक दीपक कुमार तिवारी ने कहा है कि वह अपने बड़हलगंज शाखा में 28 फरवरी की शाम एआरएम अभिषेक कुमार के साथ बैठकर कंपनी का कार्य कर रहा था। इस बीच पूर्व कर्मचारी उमेश तिवारी चार लोगों के साथ पहुंच कर मारपीट करने लगा, जिससे दोनों लोग घायल हो गए। अभिषेक का सिर फट गया। पुलिस ने उमेश व एक अज्ञात खिलाफ केस दर्ज कर जांच में लगी है।

स्वास्थ्य शिविर में 508 मरीजों की हुई जांच

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। माटी और एनएचपीसी की ओर से प्रैक्टिस विद्यापीठ रुधौली में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कैंप का शुभारंभ तहसीलदार रवि यादव ने किया। यहां 508 मरीजों की जांच की गई। एम्स दिल्ली, आर्मी अस्पताल सहित कई बड़े अस्पतालों के चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर दवाएं दीं। एम्स दिल्ली के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित सत्संगी, लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी आर्मी कमांड हॉस्पिटल लखनऊ, बाल रोग विशेषज्ञ लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. आराधना द्विवेदी आर्मी कमांड हॉस्पिटल पुणे, चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. मिनाहजाउद्दीन चेयरमैन अल शिफा हॉस्पिटल नई दिल्ली, पेट संबंधी बीमारी के लिए डॉ. हर्षवर्धन राय विशेषज्ञ गोरखपुर की टीम ने मरीजों की जांच की। निदेशक सुशांत कुमार पांडेय ने कहा कि सुदूर ग्रामीणों को कैंप में जो सुविधा मिल रही वह सराहनीय है। माटी के संयोजक आसिफ आजमी ने कहा कि संस्था का उद्देश्य पूर्वांचल में रोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा की उन्नति को नया आयाम देना है। इसके अलावा भानपुर के सावित्री विद्या विहार में कैंप लगा। यहां विशेषज्ञों की टीम ने 400 मरीजों की जांच करते हुए उचित परामर्श और दवाएं दी गईं। कैंप का शुभारंभ मुख्य अतिथि मनोज सिंह ने किया। प्रबंधक अनुभव मिश्रा ने लोगों का आभार जताया। इस दौरान डॉ. कलीम, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीष गुप्ता, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. संतोष सिंह, डॉ. विजय शर्मा, डॉ. शाहिद खान, आईके डॉ. रवि चौहान ने परामर्श दिया।

मायावती ने आकाश आनंद को सभी पदों से हटाया

लखनऊ (आभा)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को एक बार फिर अपने उत्तराधिकार और पार्टी के सभी पदों से हटा दिया है। इसके साथ ही उन्होंने साफ कर दिया है कि अब जीते जी उनका कोई उत्तराधिकारी घोषित नहीं किया जा जाएगा। खुद को बसपा के मूवमेंट के लिए पूरी तरह समर्पित और इसके लिए रिश्ते–नातों को महत्व न देने की बात करते हुए मायावती ने आकाश आनंद को लेकर अपने फैसले के पीछे की कुछ वजह भी बताई। भतीजे पर भड़की मायावती ने आकाश आनंद के ससुर को उनका राजनीतिक करियर बर्बाद करने के लिए जिम्मेदार ठहराया।

रविवार को बसपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद जारी प्रेस विज्ञाप्ति में मायावती ने कहा कि अशोक सिद्धार्थ ने आकाश आनंद का राजनीतिक करियर बर्बाद किया। उन्होंने अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकालने की वजह बताते हुए कहा कि उन्हें निकालने के बाद भी आकाश आनंद पर अशोक सिद्धार्थ की बेटी, यानी अपनी पत्नी का प्रभाव था जो पार्टी हित में नहीं था।

उन्होंने कहा कि अशोक सिद्धार्थ को पार्टी और मूवमेंट के हित में पहले ही बाहर कर दिया गया था। उसने यूपी सहित पूरे देश में पार्टी को दो गुटों में बांटकर इसे कमजोर करने का अति घिनौना काम किया है जो कतई भी बर्दाश्त करने लायक नहीं है। यह सब उनकी लड़के की शादी में भी देखने को मिला।

मायावती ने कहा कि जहां तक आकाश आनंद का सवाल है तो आपको मालूम है कि अशोक सिद्धार्थ की लड़की के साथ इनकी शादी हुई है। अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकालने के बाद उनकी लड़की पर अपने पिता का कितना प्रभाव पड़ता है और आकाश पर भी उनकी लड़की (पत्नी) का कितना प्रभाव पड़ता है तो यह भी अब हमें काफी गंभीरता से देखना होगा। जो अभी तक कतई भी पॉजिटिव (सकारात्मक) नहीं लग रहा है। ऐसे में पार्टी और मूवमेंट के हित में आकाश आनंद को पार्टी की सभी जिम्मेदारियों से अलग कर दिया गया है। जिसके लिए पार्टी नहीं बल्कि पूर्ण रूप से उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ ही जिम्मेदार है जिसने पार्टी को नुकसान पहुंचाने के साथ–साथ आकाश आनंद के पॉलिटिकल (राजनीतिक) करियर को भी खराब कर दिया है।

मायावती ने जहां भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया है वहीं अपने भाई आनंद कुमार पर एक बार फिर से भरोसा जताया है। उन्होंने आनंद कुमार को बसपा के राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर पद की जिम्मेदारी सौंपी है। उनके साथ सांसद (राज्यसभा) राम जी गौतम को भी नेशनल कोआर्डिनेटर बनाया गया है। इससे यह तो साफ है कि मायावती का गुस्स्सा आकाश आनंद और उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ के खिलाफ ही है, भाई पर उनका भरोसा कायम है। बसपा की विज्ञप्ति में आनंद कुमार का जिक्र करते हुए मायावती की ओर से कहा गया है कि अब इनके (आकाश आनंद) के स्थान पर पूर्व की तरह ही आनंद कुमार ही पार्टी के सभी कार्य करते रहेंगे। और यह पहले की तरह ही अभी भी मेरे लखनऊ से बाहर दौरे के दौरान पार्टी के सभी कार्य करते रहते हैं जिससे अभी तक किसी भी मामले में मुझे निराश नहीं किया है। अर्थात् इन्होंने पार्टी और मूवमेंट को अभी तक कोई नुकसन नहीं पहुंचाया है।

एक्सप्रेस वे पर नहीं बिक सकेगी शराब –सीएम योगी

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अक्सर यह देखा गया है कि शराब की दुकानों के साइनेज बहुत बड़े होते हैं, इन्हें छोटा किया जाए। बिना परमिट की बसें सड़कों न चलने पाएं। डग्गामार वाहनों एवं ओवरलेडेड ट्रकों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करें। दूसरे प्रदेश से आने वाले बिना परमिट के वाहनों को बॉर्डर पर रोकें। सीएम योगी ने कहा कि ट्रासंपोर्ट एसोसिएशन एवं व्हीकल एसोसिएशन से संवाद स्थापित कर यह सुनिश्चित कराएं कि लंबी दूरी के वाहनों पर दो ड्राइवर हों। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सड़क दुर्घटनाओं के वार्षिक आंकड़ों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 में 46052 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। इसमें 34600 लोग घायल हुए हैं, जबकि 24 हजार से अधिक मौतें हुई हैं, जो कि अत्यंत दुखद है। इसे हर हाल में न्यूनतम

करना होगा। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय बनाकर सामूहिक प्रयासों के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करें। साथ ही प्रदेश के सभी मार्गों पर ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर उन्हें ठीक कराएं। मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों के उपचार के विषय में चिंता करते हुए कहा कि सभी एक्सप्रेस–वे के दोनों तरफ फूड प्लाजा की तरह अस्पताल की व्यवस्था करें। साथ ही सभी मंडल मुख्यालयों के अस्पतालों में ट्रामा सेंटर, एंबुलेंस एवं ट्रेंड की स्टाफ को तैनाती भी सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 में प्रदेश के 75 जनपदों हुई दुर्घटनाओं में सबसे ज्यादा 20 जनपदों– हरदोई, मथुरा, आगरा, लखनऊ, बुलन्दशहर, कानपुर नगर, प्रयागराज, सीतापुर, उन्नाव, बाराबंकी, लखीमपुर खीरी, बरेली, अलीगढ़, गौतमबुद्धनगर, शाहजहांपुर, गोरखपुर, कुशीनगर, बदायूं, मेरठ और बिजनौर में जनहानि हुई है। प्रदेश में कुल हुई दुर्घटना मृत्यु में 42 प्रतिशत इन जनपदों से है। उन्होंने इसको नियंत्रित करने के लिए दुर्घटना के कारकों को खोजने एवं लोगों में सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने का निर्देश दिया।

गाली–गलौज करने वाला सिपाही लाइन हाजिर

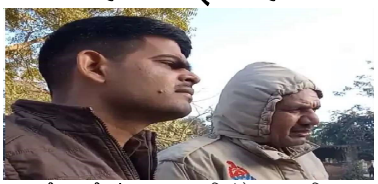

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा थाना क्षेत्र में एक विवाद की जांच के दौरान पुलिस की वर्दी को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। डायल 112 में तैनात सिपाही अरुण कुमार ने अमरौली शुमाली गांव में जांच के दौरान अपनी मर्यादा की सीमाएं लांघ दीं।

रविवार सुबह 7 बजे की इस घटना में सिपाही ने एक पक्ष को गालियां देना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं, जब कोई व्यक्ति इस घटना का वीडियो बनाने लगा तो सिपाही ने उस पर भी हमला करने का प्रयास किया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस विभाग ने कार्रवाई करते हुए सिपाही अरुण कुमार को लाइन हाजिर कर दिया है। साथ ही मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

गेहूं खरीद पर शासन ने अगले आदेश तक लगाई रोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। । जिले में शासन के अग्रिम आदेश तक गेहूं खरीद स्थगित कर दिया गया है। शासन ने मार्च महीने में गेहूं खरीद नहीं होने के कारण यह निर्णय लिया है। जिला खाद्य विपणन अधिकारी विपिन कुमार ने बताया कि हर वर्ष एक मार्च से गेहूं खरीद की प्रक्रिया शुरू कर दिया जाता था। वहीं पिछले कई वर्षों से मार्च के प्रथम दो सप्ताह में खरीद केन्द्र पर गेहूं खरीद शून्य था।

वहीं इस वित्तीय वर्ष में जनपद में कुल 62 क्रय केन्द्र बनाए गए है। जिसमें अपर आयुक्त खाद्य एवं रसद कामता प्रसाद सिंह ने निर्देशित किया है कि गेहूं क्रय सत्र 2025–26 के लिए समय निर्धारित किया गया था। जिसमें शेष कार्यो को पूर्ण कराने के लिए गेहूं क्रय के लिए समस्त तैयारी पूर्ण करने के लिए कहा गया है। इनके द्वारा कहा गया कि भविष्य में योजना बनाकर क्रय केन्द्रों के संचालन की तिथि अगले आदेश के बाद ही गेहूं खरीद शुरू किया जाएगा।

भाकियू नेता के पुत्र का शव मुंबई से बस्ती पहुंचा, पुलिस की मौजूदगी में हुआ अंतिम संस्कार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा थाने के तेनुआ–असनहरा गांव निवासी भाकियू नेता के पुत्र के शव का अंतिम संस्कार रविवार को पुलिस की मौजूदगी में कुआनो नदी के घाट पर हुआ। मारपीट में घायल युवक का इलाज मुंबई में चल रहा था। वहां इलाज के दौरान मौत हो गई। रविवार को शव मुंबई से बस्ती पहुंचा। भाकियू नेता ने सोनहा पुलिस को सूचना देकर प्रकरण में कार्रवाई की मांग की। रविवार को अंतिम संस्कार के दौरान पुलिस के साथ ही दर्जनों भाकियू नेता व कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। सोनहा थाने के तेनुआ–असनहरा निवासी भाकियू नेता रामजीत चौधरी का बेटा किशन कन्हैया (21) नासिक में अपने गांव के ही कुछ युवकों के साथ टाइल्स लगाने का काम करता था। आरोप है कि काफी दिनों से मजदूरी नहीं मिलने पर उसने गांव के ही साथी युवकों से जब हिसाब मांगा तो विवाद हो गया। इन लोगों ने उसकी पिटाई कर दी। घायलावस्था में करीब एक माह से उसका इलाज चल रहा था। पिछले 27 फरवरी की रात मुंबई के एक अस्पताल में किशन कन्हैया ने दम तोड़ दिया। मुंबई में पोस्टमार्टम के बाद रविवार को मुंबई से शव गांव पहुंचा तो परिवार में कोहराम मच गया। पिता रामजीत ने इस घटनाक्रम की जानकारी शव पहुंचने से पहले ही सोनहा पुलिस दे दी थी। रविवार को कुआनो नदी के घाट पर शव का अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान सोनहा पुलिस की टीम भी मौजूद रही। पिता रामजीत चौधरी ने सोनहा से उचित कार्रवाई की मांग की है।

गांव में दो अजगर निकलने से दहशत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। । दुबौलिया थानाक्षेत्र के काशीपुर–कटरिया तटबंध पर पूरेओरी राय गांव के पास आठ से दस फुट लंबे दो अजगर दिखाई देने के बाद से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि फूलचंद सोनकर ने बताया पिछले तीन दिनों से तटबंध में बने माद में से दो अजगर अक्सर निकल कर धूप सेंकते हुए दिखाई देते थे। तटबंध पर आने जाने एवं आसपास के लोगों में दहशत बना हुआ था। सपेरे मकसूद आलम को बुलाकर मांद से एक जोड़ी अजगर को सुरक्षित निकाला गया। अजगर को वन विभाग के हवाले कर दिया गया। दोनों अजगर के पकड़े जानकारी से लोगों ने राहत कि सांस लिया। अजगर पकड़े जाने के दौरान वहां पर ग्रामीणों कि काफी भीड़ जुटी रही।

उम्रकैद की सजा काट रही चंबल की दस्यु सुंदरी कुसुमा नाइन की मौत

इटावा (आभा)। उम्रकैद की सजा काट रही कुख्यात दस्यु सुंदरी रही कुसमा नाइन की रविवार को सैफई अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इटावा जिला जेल के अधीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि इटावा जिला जेल में उम्रकैद की सजा काट रही महिला डाकू कुसमा नाइन एक फरवरी को टीवी रोग के चलते नाजुक हालत में इटावा मुख्यालय के डॉक्टर भीमराव अंबेडकर राजकीय साहत्रिय चिकत्सिालय में भर्ती कराई गई थी। वहां से उन्हें बेहतर उपचार के लिए सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी भेज दिया गया था, लेकिन सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के डॉक्टरों ने कुसमा नाइन को एसजीपीआई लखनऊ भेजा था, जहां उपचार के दौरान शनिवार दोपहर बाद उनकी मौत हो गई। कुसमा नाइन के पार्थिव शव को उनके पैतृक गांव जालौन जिले के सिरसा कालर स्थित टिकरी गांव ले जाया गया, जहां उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

करीब दो माह से टीवी रोग से ग्रसित कुसमा इटावा जिला कारागार में करीब 20 साल से सजा काट रही थी। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में आतंक का पर्याय रहे कुख्यात डकैत रामआसरे उर्फ फक्कड़ और उसकी सहयोगी पूर्व डकैत सुंदरी कुसमा नाइन सहित पूरे गिरोह ने मध्यप्रदेश के भिंड जिले के दमोह पुलिस थाने की रावतपुरा चौकी पर आठ जून 2004 समर्पण कर दिया था। भिंड के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक साजिद फरीद शापू के समक्ष गिरोह के सभी सदस्यों ने बिना शर्त समर्पण किया था। फक्कड़ बाबा पर उत्तर प्रदेश पुलिस ने एक लाख और मध्य प्रदेश पुलिस ने 15 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

कुसमा नाइन पर उत्तर प्रदेश ने 20 हजार और मध्य प्रदेश ने 15 हजार रुपये का इनाम घोषित किया हुआ था। गिरोह ने उत्तर प्रदेश में करीब 200 से अधिक और मध्य प्रदेश में 35 अपराध किए थे। समर्पण करने वाले गिरोह के अन्य सदस्यों में मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले का राम चंद वाजपेयी, इटावा के संतोष दुबे, कमलेश वाजपेयी, घूरे सिंह यादव और मनोज मश्रिा, कानपुर का कमलेश निषाद और जालौन का भगवान सिंह बघेल शामिल रहे। जिसके बाद से वह इटावा जिला जेल में सजा काट रही थी। इस समर्पण के पीछे किसी ने मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभाई। फक्कड़ बाबा और उसके गिरोह ने अपनी इच्छा से आत्मसमर्पण किया था। फक्कड़ बाबा गिरोह ने कई विदेशी हथियार भी पुलिस को सौंपे थे। इनमें अमेरिका नर्मिति 306 बोर की तीन सेमी–आटोमेटिक स्प्रिंगफील्ड राइफलें, एक आटोमेटिक कारबाइन, बारह बोर की एक डबल बैरल राइफल और कुछ दूसरे हथियार शामिल रहे।

मूर्ति स्थापना का आयोजनः101 कलशों के साथ निकली भव्य यात्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। । रुधौली नगर पंचायत के बालेश्वरी नगर वार्ड में रविवार को मां दुर्गे के मंदिर के जीर्णोद्धार और मूर्ति स्थापना के लिए भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में 101 कलश लेकर महिलाएं और कन्याएं शामिल हुईं।

कलश यात्रा बालेश्वरी नगर वार्ड से शुरू होकर बैंक चौराहा और बखिरा चौराहा होते हुए मां सरघाट मंदिर तक पहुंची। मंदिर में आचार्य दुर्गा प्रसाद मिश्र और उनकी टीम ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलशों में जल भरा। यात्रा के दौरान भक्तों ने मां के जयकारे लगाए। महिलाएं और युवा डीजे की भक्ति धुन पर नृत्य करते रहे।

कार्यक्रम स्थल पर मुख्य यजमान लालचंद्र सोनी और उनकी धर्मपत्नी विमलेश सोनी ने कलश यात्रा का स्वागत किया। मूर्ति स्थापना के उपलक्ष्य में सात दिवसीय प्रवचन का आयोजन किया गया है। अवध धाम से आए कथावाचक स्वामी

आलोकानंद महाराज हनुमत कथा का प्रवचन करेंगे। 8 मार्च को भव्य भंडारे का आयोजन होगा। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष सुजीत सोनी, सभासद प्रतीक सिंह, पूर्व सभासद गोपाल सिंह समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसी दौरान सुरवार कला के आमचांदी में मां बाघेश्वरी के स्थान पर श्रीशतचंडी महायज्ञ के लिए भी एक अलग कलश यात्रा निकाली गई। वही सुरवार कला स्थित आम चांदी में मां बाघेश्वरी के स्थान पर आयोजित होने वाले नौ दिवसीय श्रीशतचंडी महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन को लेकर रविवार को भव्य कलश यात्रा निकाला गया । कलश यात्रा यज्ञस्थल से चलकर सुरवार कला होते हुए शिवमंदिर पर पहुंचा । जहां पोखरे पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच जल भरा गया । कलश यात्रा वापस यज्ञ स्थल पहुंचा जहां स्वामी सरजू दास महाराज द्वारा कलश यात्रा का स्वागत किया गया ।श्री शतचण्डी महायज्ञ के दौरान श्रीमद्भागवत कथा में चित्रकूट धाम से आये स्वामी पवन दास महाराज का प्रवचन किया जाएगा । इस मौके पर महेंद्र विक्रम सिंह, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय तिवारी, विष्णु पांडे, सर्वेश पांडे,मनोज कुमार कसौधन, दीपक कुमार पांडे सहित आदि लोग शामिल रहे।

वृंदावन की होली में मुसलमानों पर लगे पाबंदी, हिंदू संगठन ने सीएम से की मांग

मथुरा (आभा)। महाकुंभ के बाद अब वृंदावन में मुस्लिम समाज के दुकान लगाने और होली समारोह में शामिल होने पर पाबंदी की मांग उठी है। सीएम योगी को भेजे गए पत्र में हिंदूवादी संगठन ने कहा है कि ब्रज क्षेत्र में होली पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में मुसलमानों के प्रवेश पर पाबंदी लगाई जाए। साथ ही हिंदूवादी नेताओं ने वृंदावन में दुकान लगाने को लेकर मुस्लिम समाज के लोगों के सामने एक शर्त भी रखी है। धर्मरक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने कहा, पिछले दिनों बरेली में देखने में आया था कि मुस्लिम समाज के लोग हमारे लोगों को धमकियां दे रहे हैं। ऐसे में धर्मरक्षा संघ ने निर्णय लिया है कि हम ब्रज क्षेत्र में मथुरा, वृंदावन, नंदगांव, बरसाना, गोकुल, दाऊजी आदि तीर्थस्थलों पर होने वाले होली समारोहों के दौरान मुस्लिम समाज के लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाएंगे।

गौड़ ने कहा कि सनातन समाज के लिए होली प्रेम और सौहार्द का त्योहार है। हम बिल्कुल भी नहीं चाहते कि मुस्लिम समाज का कोई भी व्यक्ति होली के बहाने रंग व गुलाल बेचने का व्यापार करे और होली की भीड़ में घुसकर हुड़दंग करने का प्रयास करे। संगठन के राष्ट्रीय संयोजक आचार्य बद्रीश ने कहा कि मैं धर्मरक्षा संघ की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग करता हूं कि जिस प्रकार जिहादियों और अलगाववादियों को गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में गरबा नृत्य से दूर रखा गया, उसी प्रकार ब्रजमंडल के प्रेम से परिपूर्ण पर्व होली से भी उन्हें दूर रखा जाए, क्योंकि जब उन्हें रंग–गुलाल से ऐतराज है, तो उनकी यहां क्या जरूरत है।ष हालांकि, उन्होंने यह भी कहा, 'यदि ये लोग (मुस्लिम समाज) हिंदू समाज को लिखित आश्वासन देते हैं, तो हमें उनके सम्मिलित होने पर कोई आपत्ति नहीं है। यदि हिंदू समाज चाहे तो ये लोग आ सकते हैं, वरना इन्हें दूर रखा जाए। सरकार इसका प्रबंध करे।' कुछ इसी तरह का बयान श्रीकृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह विवाद से जुड़े एक मुकदमे के वादी दिनेश शर्मा की ओर से भी आया है। शर्मा ने कई अन्य मौकों की तरह ही कथित रूप से इस बार भी मुख्यमंत्री को खून से पत्र लिखकर ब्रज की होली में मुसलमानों के शामिल होने पर पाबंदी लगाने की मांग की है। धर्मरक्षा संघ के बयानों पर शाही ईदगाह इंतजामिया कमेटी के सचिव एवं शाही ईदगाह–कृष्ण जन्मभूमि मामले में मुस्लिम पक्ष के पैरोकार तनवीर अहमद ने कहा, श्ब्रज में तो होली का पर्व प्यार और अपनेपन से मनाया जाता रहा है। यहां पूर्ण शांति और सौहार्द का वातावरण रहता है।

सदियों से कभी किसी को किसी से शिकायत नहीं हुई।ष उन्होंने कहा, श्ब्रज में तो महाकवि रसखान और ताजबीबी जैसे कृष्णभक्तों के उदाहरण दिए जाते हैं।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 3 मार्च 2025 सोमवार

सम्पादकीय

गौ रक्षा, धर्म और समाज

गाय हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग रही है। गौपालन का इतिहास मानव की उत्पत्ति जितना ही पुराना है। गौ सेवा व गौरक्षा शब्द आपस में पर्यायवाची रहे हैं। गौवंश का महत्व हमारे देश में वैदिक काल से भी पहले रहा होगा तभी तो वेदों में भी गौमाता के प्रति श्रद्धा व आस्था की ऋचा अंकित है। ऋग्वेद में गाय को 'अघन्या' कहा गया है जिसका अर्थ जो वध योग्य नहीं है। स्कंद पुराण में गौ सर्वदेमयी और वेद सर्वगौमय लिखा गया है। माता तुल्य गाय के मानवीय जीवन में इतने अधिक लाभ गिनाए जा सकने के कारण ही गाय में देवताओं के वास की बात की जाती रही है। दुग्ध पदार्थों के अतिरिक्त गौवंश हमारी कृषि तथा आर्थिकता का भी धुरा रहा है, संक्षेप में कहें कि गाय को अगर निकाल दें तो भारत भारत ही नहीं बचता, इसका साहित्य अधूरा हो जाएगा, शास्त्र, संस्कृति खो जाएंगे। गाय भारत की आत्मा की प्रतीक है। गाय में कुछ ऐसा है जो और जीवों में नहीं।

वैज्ञानिक परीक्षण में भी भारतीय गाय के दूध को अन्य जीवों के दूध से अलग तथा माता के दूध के समान माना गया है। भगवान कृष्ण का जीवन गौ सेवा तथा गौरक्षा को समर्पित था। उन्होंने श्रीमद भागवत गीता में कहा है 'धेनु नामस्मि' यानी कि ''मैं गायों में कामधेनु हूं'' अर्थात गाय भी भगवान का स्वरूप हैं। महाभारत के भी बहुत से श्लोकों में गाय की महिमा का वर्णन है। सिखों के 10वें गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी ने भी कहा था 'यही देहु आज्ञा तुरुक को खपाऊं, गऊ माता का दुरूख मैं मिटाऊं' इस से स्पष्ट है कि उनके द्वारा मुगलों के संहार का मुख्य कारण गौरक्षा था क्योंकि मुगल गौ वध करते थे। पंजाब केसरी महाराजा रणजीत सिंह के शासन में गौहत्या पर मृत्यु दंड दिया जाता था। 1871 में गौ रक्षा हेतु बूचडखाने बंद करवाने के लिए 65 कूका सिखों ने अपना बलिदान दे दिया था। अनेकानेक महापुरुष गौरक्षा के बारे अपने विचार समय–समय पर प्रकट करते रहे हैं। बाल गंगाधर तिलक ने कहा था 'चाहे मुझे मार डालो पर गाय पर हाथ न उठाना ' पंडित मदन मोहन मालवीय ने अपनी अंतिम इच्छा में कहा था कि भारतीय संविधान की पहली धारा संपूर्ण गौवंश हत्या निषेधा बने। इन्हीं भावनाओं के अनुरूप 1923 में महात्मा गांधी जी ने भी गौ हत्या के विरुद्ध आवाज उठा कर इस पर प्रतिबंध लगाने की मांग रखी थी।

स्वतंत्र भारत में भी 1966 में गौ रक्षा हेतु एक जबरदस्त अंदोलन चला था जिसका नेतृत्व संतों, धार्मिक, सामाजिक तथा कई राजनीतिक विभूतियों द्वारा किया गया था। जिस में प्रभुदत्त ब्रह्मचारी, पूजनीय एम.एस. गोलवलकर, सेठ गोविंद दास, स्वामी करपात्री जी व विश्व हिन्दू परिषद तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संगठन भी थे। इस आंदोलन के अंतर्गत 7–11–1966 को संसद पर एक ऐतिहासिक प्रदर्शन आयोजित किया गया जिसमें लाखों लोगों ने भाग लिया परन्तु इसका दुखद पहलू यह रहा कि उन की बात सुनने की बजाय तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चला कर जलियांवाला बाग की पुनरावृत्ति की जिसमें अनेक गौ भक्तों का बलिदान हुआ। डा. भीम राव आंबेडकर के नेतृत्व में बनाए गए भारत के संविधान में राज्य को गौवध पर प्रतिबंध लगाने वाले उपबंध बनाने के निर्देश दिए गए हैं। अनुच्छेद 48 से राज्य सरकारों को संविधान के अनुच्छेद 246 तथा अनुसूची 7 की सूची 11 से शक्ति प्राप्त हैं कि वह गौवध पर प्रतिबंध लगाने के लिए अधिनियम बना सके। करीब 24 राज्यों ने इस विषय पर अधिनियम पारित करके गौवध पर पूर्ण प्रतिबंध लगा कर इसे एक दंडनीय अपराध घोषित किया है जिसमें अपराधियों के लिए कठोर कारावास का प्रावधान है जिनमें जम्मू–कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, दिल्ली तथा चंडीगढ़ है।

दरअसल जब तक केंद्र इस विषय पर सभी राज्यों में एक सार कानून नहीं बनाता गौ तस्करी तथा गौवध नहीं रुक सकता। इसके लिए संविधान में संशोधन की आवश्यकता होगी क्योंकि जब तक इस विषय को संविधान की अधिसूची 7 की सूची में सम्मिलित नहीं किया जाता, केंद्र सरकार कुछ भी करने में असमर्थ रहेगी।

जरूरतमंदों तक कैसे पहुंचें सस्ती दवांये

–डॉ. शशांक द्विवेदी–

पिछले काफी समय से जेनेरिक या ब्रांडेड दवाओं पर बहस छिड़ी है। पिछले साल नेशनल मेडिकल कमीशन ने एक नियम लागू किया था। इसमें कहा गया था कि डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं भी लिखनी होंगी। नियम न मानने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एनएमसी के इस फैसले के बाद इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने इस नियम पर सवाल खड़े किए थे। कई डॉक्टर एसोसिएशन ने भी नए कानून का विरोध कर इसको वापस लेने की मांग की थी। तर्क यह दिया गया था कि ब्रांडेड दवा न लिखने से मरीजों को नुकसान हो सकता है। विरोध के बाद एनएमसी ने अपना फैसला वापस ले लिया था। सरकार मरीजों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाने के लिए कानून में संशोधन की तैयारी कर रही है। इसके बाद डॉक्टर्स को मरीजों के लिए सिर्फ जेनेरिक दवा लिखनी होंगी, न कि किसी विशेष ब्रांड या कंपनी की। इसके बाद भी मरीजों को सस्ती दवाएं मिलने लगेंगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है, क्योंकि जेनेरिक दवाओं के चलन से बड़ी फार्मा कंपनियों को सीधे नुकसान होगा।

एक अनुमान के मुताबिक, किसी भी मरीज के इलाज के दौरान होने वाले खर्च का 70 प्रतिशत अकेले दवाओं पर खर्च हो जाता है। सरकार ने पिछले महीने लोकसभा में एक सवाल के जवाब में बताया कि इलाज और दवा पर होने वाले खर्च की वजह से देश में हर साल 3 करोड़ 8 लाख लोग गरीबी रेखा से नीचे चले जाते हैं।

आमतौर पर सभी दवाओं में एक तरह का 'केमिकल सॉल्ट' होता हैं। इन्हें शोध के बाद अलग–अलग बीमारियों के लिए बनाया जाता है। जेनेरिक दवा जिस सॉल्ट से बनी होती है, उसी के नाम से जानी जाती है। जैसे दर्द और बुखार में काम आने वाले पैरासिटामोल सॉल्ट को कोई कंपनी इसी नाम से बेचे तो उसे जेनेरिक दवा कहेंगे। वहीं, जब इसे किसी ब्रांड (जैसे क्रोसिन) के नाम से बेचा जाता है तो यह उस कंपनी की ब्रांडेड दवा कहलाती है।

जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड की तुलना में 10 से 20 गुना तक सस्ती होती हैं। दरअसल, फार्मा कंपनियां ब्रांडेड दवाइयों की रिसर्च, पेटेंट और विज्ञापन पर काफी पैसा खर्च करती हैं। जबकि जेनेरिक दवाइयों की कीमत सरकार तय करती है और इसके प्रचार–प्रसार पर ज्यादा खर्च भी नहीं होता।

कई जानलेवा बीमारियां जैसे एचआईवी, लंग कैंसर, लीवर कैंसर में काम आने वाली दवाओं के ज्यादातर पेटेंट बड़ी–बड़ी कंपनियों के पास हैं। वे इन्हें अलग–अलग ब्रांड से बेचती हैं। अगर यही दवा जेनेरिक में उपलब्ध हो तो इलाज पर खर्च 200 गुना तक घट सकता है। जैसे एचआईवी की दवा टेनोफिविर या एफाविरेज की ब्रांडेड दवा का खर्च 2,500 डॉलर यानी करीब 1 लाख 75 हजार रुपये है, जबकि जेनेरिक दवा में यही खर्च 12 डॉलर यानी महज 840 रुपये महीने तक हो सकता है। हालांकि, इन बीमारियों का इलाज ज्यादातर सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में होता है। ऐसे में ये दवाएं इन अस्पतालों में या वहां के केमिस्ट के पास ही मिल पाती हैं।

देश में फार्मा इंडस्ट्री 1.20 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की है और इसकी सालाना ग्रोथ 11 प्रतिशत है। देश में सालाना करीब 1.27 लाख करोड़ की दवाएं बेची जाती हैं, इसमें 75 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा जेनेरिक दवाओं का है। भारत जेनेरिक दवाइयों का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है। दुनियाभर की डिमांड की 20 प्रतिशत दवाइयां भारत सप्लाई करता है। अमेरिका में 40 प्रतिशत और यूके में 25 प्रतिशत दवाइयां भारत सप्लाई करता है। 2018–19 में देश से 1,920 करोड़ डॉलर की दवाइयां एक्सपोर्ट की गईं। दुनियाभर में कुल वैक्सीन डिमांड का 50 प्रतिशत भारत से सप्लाई होता है। इनके अलावा दक्षिण अफ्रीका, रूस, ब्राजील, नाइजीरिया और जर्मनी में भी भारतीय दवाएं एक्सपोर्ट की गईं।

एक अनुमान के मुताबिक, किसी भी मरीज के इलाज के दौरान होने वाले खर्च का 70 प्रतिशत अकेले दवाओं पर खर्च हो जाता है। सरकार ने पिछले महीने लोकसभा में एक सवाल के जवाब में बताया कि इलाज और दवा पर होने वाले खर्च की वजह से देश में हर साल 3 करोड़ 8 लाख लोग गरीबी रेखा से नीचे चले जाते हैं। फिलहाल सरकार की आयुष्मान भारत योजना से निरूशुल्क इलाज और जन औषधि केंद्रों के माध्यम से सस्ती जेनेरिक दवाओं का मिलना लोगों के लिए राहत की बात है। आयुष्मान भारत योजना का दायरा देश की अधिसंख्य आबादी तक बढ़ाने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के अंतर्गत सरकार का उद्देश्य लोगों को ब्रांडेड महंगी दवाइयों के स्थान पर गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाइयां प्रदान करना है। सरकार के प्रयास के बावजूद अभी भी देश में बड़े पैमाने पर जेनेरिक दवाओं का प्रयोग नहीं हो पा रहा है। समय आ गया है कि सामुदायिक स्तर पर जेनेरिक दवाओं को प्रोत्साहित किया जाए। देश में बढ़ती महंगाई के दौर में लोगों को सस्ती और गुणवत्तापरक दवाइयों के जरिए स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराना बहुत जरूरी है। ऐसे में समय आ गया है कि सभी को जेनेरिक दवाओं के माध्यम से सस्ती दवाएं मुहैया कराइ जाएं।–(लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।)

यूरोपीय बेचैनी की तार्किकता

–मनीष तिवारी–

इस महीने की शुरुआत में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के 61वें संस्करण में अमेरिका के नव–नियुक्त उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस द्वारा यूरोपियनों को लगाई मौखिक फटकार से यदि उन्हें सदमा न भी लगा हो तो भी हक्के–बक्के तो हुए ही हैं। वेंस ने लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति यूरोपीय लोगों की मौलिक प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया, जिसको लेकर उनका तर्क था कि यह अमेरिका–यूरोपीय सहयोग तंत्र की नींव है। भाषण खत्म होते–होते होटल बेयरिशर हॉफ के सम्मेलन कक्ष के फर्श पर यूरोपियन रणनीतिक सिराज बिखर चुका था। यूरोप में चल रहे वर्तमान खेल के बारे में वेंस द्वारा की गई कटु आलोचना पर यूरोप के कुछ नेताओं ने तगड़ी असहमति जताई।

सवाल है कि यूरोपीय लोग हक्के–बक्के क्यों हुए, तो इसके लिए यूरोप के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका के व्यवहार के पिछले सौ सालों का इतिहास को बांचना पड़ेगा, जो बताता है कि अमेरिका ने सदा अपने 'निज हित' में काम किया है, जिसे वह अपनी सुविधा के अनुसार जब चाहे 'अमेरिकी अपवाद–वाद' के रूप में वर्णित करता है।

प्रथम विश्व युद्ध 28 जुलाई, 1914 को शुरू हुआ था, जिसकी शुरुआत ऑस्ट्रो–हंगेरियन साम्राज्य के युवराज आर्कड्यूक फ्रांज फर्डिनेंड और उनकी पत्नी सोफी की हत्या से हुई थी, जो एक बोस्नियाई सर्ब व्यक्ति द्वारा की गई थी। हालांकि, यह एक यूरोपीय युद्ध था, जिसमें ब्रिटेन, फ्रांस और रूस का ट्रिपल एंटेंटे नामक गठजोड़ ऑस्ट्रिया–हंगरी, जर्मनी और इटली वाले ट्रिपल एलायंस से लड़ा, और पहले वाले गुट ने अमेरिकियों को अपना साथ देने का अनुरोध किया।

जैक सोनियन विचारधारा वाले सीनेटरों द्वारा अड़ंगा लगाने से राष्ट्रपति वुडरो विल्सन के नेतृत्व वाले संयुक्त राज्य अमेरिका ने इसे यूरोपीय राजशाहियों के बीच युद्ध मानकर पहले इसका हिस्सा बनने से इनकार कर दिया था। लेकिन इसके केवल ढाई साल बाद, 7 अप्रैल, 1917 को, संयुक्त राज्य अमेरिका ने जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी, क्योंकि जर्मनों ने उत्तरी अटलांटिक महासागर में अपने अप्रतिबंधित पनडुब्बी युद्ध का दायरा बढ़ा दिया, जिससे अमेरिकियों को भारी जानी–माली नुकसान हो रहा था।

इसमें एक अतिरिक्त उत्प्रेरक रहा, तत्कालीन जर्मन विदेश मंत्री आर्थर जिमरमैन द्वारा प्रेषित एक संदेश, जिसे बाद में कुख्यात 'जिमरमैन टेलीग्राम' का नाम मिला। इसमें मैक्सिकन सरकार से वादा किया गया कि जर्मनी मैक्सिको को वह क्षेत्र वापस पाने में मदद करेगा, जो वह 1846–1848 के मैक्सिकन–अमेरिकी युद्ध के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका को हार चुका था। इस सहायता के बदले में, जर्मनी ने युद्ध में मैक्सिको का समर्थन मांगा। यह कहना राष्ट्रपति जेम्स मोनरो और उनके विदेश मंत्री जॉन क्विंसी एडम्स द्वारा परिकल्पित उस 'मोनरो सिद्धांत' से सीधा टकराव था, जिसे 2 दिसंबर, 1823 को अमेरिकी संसद को मोनरो के संबोधन के दौरान व्यक्त किया गया था। इसमें कहा गया कि पश्चिमी गोलार्ध का इलाका, खासकर अमेरिकी महाद्वीप की तरफ, संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रभाव क्षेत्र है और यूरोपियनों को हमारे इस विशेषाधिकार वाले क्षेत्र में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। इस प्रकार, जब केवल अपने हितों पर खतरा बनता देखा, तभी संयुक्त राज्य अमेरिका यूरोपीय युद्ध में दाखिल हुआ।

लीग ऑफ नेशन्स में 28 जून 1919 को राष्ट्रपति विल्सन की पहलकदमी से बनी 'वर्सायलेस की संधि' टूट गई, जब फरवरी 1933 में जापानियों ने किनारा कर लिया और इसके आठ महीने बाद जर्मनी भी पीछे हट गया, तब संयुक्त राज्य अमेरिका एक बार फिर से अलग–थलग पड़ गया, जबकि एडोल्फ हिटलर और उसके नाजियों ने 1938 के बाद से यूरोप के इलाके और देशों को हड़पते गए, जिसकी शुरुआत उसी वर्ष मार्च में ऑस्ट्रिया का एंस्क्लस कब्जाने से हुई।

यहां तक कि जब 1940 के मई से नवंबर माह के बीच ग्रेट ब्रिटेन अपने सबसे बुरे वक्त में अकेला खड़ा था, तब भी राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने 1939 के तटस्थता अधिनियम और 1934 के जॉनसन अधिनियम का हवाला देते हुए उसकी मदद करने में अपनी असमर्थता व्यक्त की थी। हालांकि बाद में कुछ नवीन तरीके खोजे गए, जब द्वितीय विश्व युद्ध में संयुक्त राज्य अमेरिका को औपचारिक रूप से प्रवेश 7 दिसंबर, 1941 को पर्ल हार्बर पर हुए जापानी हमले के बाद करना पड़ा। जापान के खिलाफ युद्ध शुरू करने की घोषणा 8 दिसंबर 1941 को ही की गई थी। तीन दिन बाद जब जर्मनी और इटली ने भी 11 दिसंबर 1941 को अमेरिका के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी, तब जाकर इसने भी जवाबी ऐलान किया। निष्कर्ष यह है, बहुत संभव है कि जब यूरोप गेस्टापो और शुट्जस्टाफेल के गुंडों के अधीन कराह रहा था, तब भी अमेरिका ने तटस्थता बनाए रखी होती अगर जापानियों ने उसपर हमला न किया होता।

आगे कुछ दशकों बाद, एक दशक तक चली लड़ाई के बाद, अमेरिका को 30 अप्रैल, 1975 को वियतनाम से वापसी करनी पड़ी, एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक खर्च होने और 58,000 से अधिक का जानी नुकसान करवाने के बाद उसने दक्षिण वियतनाम में अपना सैन्य अभियान समाप्त किया। यह एक और उदाहरण है कि कैसे बदला हुए घरेलू माहौल इसकी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं पर भारी पड़ा। वहां इस लड़ाई में अमेरिका का साथ देने वाले दक्षिण वियतनामी लोगों में अधिकांश को उत्तरी वियतनामी 'साथियों' के रहमो–करम पर छोड़कर वे निकल आए।

इसी प्रकार, इस झूठे आधार पर कि इराक के पास सामूहिक विनाश के हथियार हैं, नौ साल वहां युद्ध चलाने के बाद 18 दिसंबर 2011 को अमेरिका उस देश से बाहर निकला। इसके तुरंत बाद इराक और सीरिया के इलाके में इस्लामिक स्टेट या आईएसआईएस का उदय हुआ। इराक का युद्ध, जिसमें दस लाख अमेरिकी फौजी सैन्य अभियान का हिस्सा थे, इससे अमेरिकी खजाने को 2.9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की चपत लगी और कुल 4,61,000 लोग मारे गए। दो दशक बाद भी यह स्पष्ट नहीं है कि उस हस्तक्षेप की असल वजह क्या थी?

इसी तरह अगस्त, 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी हुई और वह देश उसी तालिबान को सौंप दिया, जिसको उसने 2001 में खदेड़ा था। यह दो दशकों तक वहां किए निवेश की बर्बादी थी जिसके जरिये लोकतांत्रिक मूल्यों व मानवाधिकारों की रक्षा का लक्ष्य था।

नीतीश कुमार को सही मौके का इंतजार

–संतोष पाठक–

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार लगातार अपने बयानों से यह संकेत दे रहे हैं कि वे बिहार की सक्रिय राजनीति में उतरने को तैयार हैं। निशांत के बयानों पर नीतीश कुमार की चुप्पी भी यही संकेत दे रही है कि बिहार के मुख्यमंत्री अपनी राजनीतिक विरासत और अपनी पार्टी– जनता दल यूनाइटेड दोनों को अपने बेटे के हाथ में सौंपने की तैयारी कर रहे हैं। नीतीश कुमार की चुप्पी और निशांत कुमार के बयानों के कई मतलब और मायने भले ही निकाले जा रहे हो लेकिन राजनीति को सही ढंग से समझने वाला कोई भी जानकर यह बता सकता है कि पिता–पुत्र के मन में क्या चल रहा है।

नीतीश कुमार शुरू से ही परिवारवाद की राजनीति के खिलाफ रहे हैं। कई बार तो वह सार्वजनिक मंच से परिवारवाद की राजनीति करने के लिए लालू यादव पर निशाना साध चुके हैं। यहां तक कि दशकों तक नीतीश कुमार किसी भी सार्वजनिक मंच पर अपने बेटे निशांत कुमार को अपने साथ नहीं ले गए। लेकिन पिछले कुछ दिनों से नीतीश कुमार और उनके बेटे निशांत कुमार की तस्वीरें लगातार सामने आ रही है। निशांत कुमार की राजनीति में एंट्री को लेकर जेडीयू नेताओं के बयान भी लगातार आ रहे हैं।

दूसरी तरफ, जिन निशांत कुमार की तारीफ में यह बताया जाता था कि वह बहुत सादगी से रहते हैं, मीडिया की चकाचौंध से दूर रहते हैं। वही निशांत कुमार आजकल लगातार मीडिया के सामने आ रहे हैं। सबसे अधिक गौर करने वाली बात यह है कि वह मीडिया को गंभीर राजनीतिक मसलों पर बयान देकर, हंगामा भी खड़ा कर रहे हैं। एक पल के लिए यह माना जा सकता है कि अपने पिता को फिर से बिहार का मुख्यमंत्री बनाने के लिए वह बिहार के मतदाताओं से अपील कर रहे हैं लेकिन एनडीए गठबंधन को लेकर भी उनका बोलना यह दर्शाता है कि नीतीश कुमार उन्हें राजनीति में उतारने का फैसला कर चुके हैं, निशांत कुमार भी इसके लिए अपने आपको तैयार कर रहे हैं और अब लॉन्चिंग के लिए सही मौके का इंतजार किया जा रहा है।

जो बात नीतीश कुमार स्वयं अपनी जुबान से नहीं बोल पा रहे थे, उन्होंने वह बात अपने पुत्र निशांत कुमार की जुबान से बुलवाकर एक बड़ा राजनीतिक दांव खेल दिया है। निशांत कुमार ने एनडीए गठबंधन के सबसे बड़े दल भाजपा को नसीहत देते हुए कहा कि, ष्एनडीए भी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करे। जेडीयू के तमाम नेता और कार्यकर्ता सभी मिलकर सीएम फेस घोषित करें। ताकि उनके नेतृत्व में विकास कार्य जारी रहे।ष् एक तरफ निशांत कुमार ने बीजेपी को एनडीए गठबंधन का नेता घोषित कर, विधानसभा चुनाव लड़ने की नसीहत दी तो वहीं दूसरी तरफ इशारों–इशारों में वह चिराग पासवान और प्रशांत किशोर जैसे नेताओं पर भी बड़ी बात कह गए।

जो बात नीतीश कुमार स्वयं अपनी जुबान से नहीं बोल पा रहे थे, उन्होंने वह बात अपने पुत्र निशांत कुमार की जुबान से बुलवाकर एक बड़ा राजनीतिक दांव खेल दिया है। निशांत कुमार ने एनडीए गठबंधन के सबसे बड़े दल भाजपा को नसीहत देते हुए कहा कि, ष्एनडीए भी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करे। जेडीयू के तमाम नेता और कार्यकर्ता सभी मिलकर सीएम फेस घोषित करें। ताकि उनके नेतृत्व में विकास कार्य जारी रहे।ष् एक तरफ निशांत कुमार ने बीजेपी को एनडीए गठबंधन का नेता घोषित कर, विधानसभा चुनाव लड़ने की नसीहत दी तो वहीं दूसरी तरफ इशारों–इशारों में वह चिराग पासवान और प्रशांत किशोर जैसे नेताओं पर भी बड़ी बात कह गए।

निशांत कुमार के शब्दों पर गौर कीजिएगा। उन्होंने कहा कि, ष्वे मीडिया के माध्यम से राज्य के तमाम युवाओं से आह्वान करते हैं कि पिताजी ने विकास किया है तो, उनके लिए वोट करें। पिछली बार लोगों ने उन्हें 43 सीटें दे दी, फिर भी उन्होंने विकास का क्रम रुकने नहीं दिया। इस बार सीट बढ़ना मांगता है, ताकि पिताजी आगे भी कार्य जारी रख सकें।ष् यह सब जानते हैं कि 2020 के पिछले विधानसभा चुनाव में जेडीयू उम्मीदवारों को हराने में बड़ी भूमिका चिराग पासवान ने निभाई थी। चिराग पासवान ने 2020 के विधानसभा चुनाव में अपने आपको नरेंद्र मोदी का हुनमान बताते हुए नीतीश कुमार की पार्टी को 43 सीटों पर ला दिया था। इस बार कुछ उसी तरह की भूमिका निभाने की तैयारी प्रशांत किशोर करते हुए नजर आ रहे हैं।

निशांत कुमार जिस नपे–तुले शब्दों के साथ सधे हुए अंदाज में बयान दे रहे हैं, उससे यह साफ–साफ नजर आ रहा है कि एक–एक शब्द का चयन बहुत सावधानी से किया गया है। इसका सीधा मतलब यही निकलता है कि, कितने बड़े पैमाने पर तैयारी की जा रही है। ऐसे में यह तय माना जा रहा है कि इस बार के विधानसभा चुनाव में बिहार की जनता के सामने समाजवादी विचारधारा के आंदोलन से निकले एक और दिग्गज नेता के पुत्र अपने पिता के नाम पर वोट देने की गुहार लगाते नजर आ सकते हैं।–(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

पैमाइश कर लौट रहे सदर तहसील लेखपाल पर जानलेवा हमला, सिर व हाथ में आईं गंभीर चोटें

संवाददाता–गोण्डा। सदर तहसील के खिरई–खिरवा में रविवार को एसडीएम के आदेश पर तालाब व नवीन परती की जमीन की पैमाइश कर लौट रहे लेखपाल को घेरकर बाइक सवारों ने मोतीगंज के शिवनगर रेलवे क्रासिंग के पास हमला कर दिया। इस दौरान लेखपाल ने फायरिंग का भी आरोप लगाया है। उनके नाक, हाथ व सिर पर गंभीर चोटें आई है। वहीं, बाइक सवार आरोपी वहां से भाग निकले। सूचना पर आई मोतीगंज पुलिस ने छानबीन शुरू की है साथ ही फायरिंग के आरोपों से इंकार किया है।

पीड़ित लेखपाल आत्माराम वर्मा ने बताया कि खिरई–खिरवा निवासी पंकज मिश्र ने समाधान दिवस में अधिकारियों से तालाब व नवीन परती की जमीन पर कब्जे की शिकायत की थी। रविवार को एसडीएम सदर के आदेश पर राजस्व निरीक्षक मलारी मो. अकलीम, पिपरा भिटौरा लेखपाल नागेंद्र प्रताप और कहोबा चौकी के दो सिपाही के साथ पैमाइश के लिए गए थे। वहां वापस लौटते समय शिवनगर रेलवे क्रासिंग के पास दो बाइकों पर सवार होकर पांच युवकों ने उनकी कार घेरकर रोक लिया। साथ ही घसीटकर उनकी पिटाई शुरू कर दी। उनके साथी लेखपाल नागेंद्र प्रताप जब तक कुछ समझ पाते इससे पहले उन्हें लहूलुहान कर दिया।

इसके बाद हमलावर बरूआचक रेलवे स्टेशन की ओर भाग निकले। लेखपाल ने बताया कि मुकीम नाम के व्यक्ति की पहचान की है। जबकि मुंह में नकाब पहने होने की वजह से अन्य की पहचान नहीं कर सके। आनन–फानन पुलिस कंट्रोल रूम के साथ ही अधिकारियों को घटना की जानकारी दी है। आरोप लगाया कि इस दौरान हमलावरों ने फायरिंग भी की। हालांकि वह बाल–बाल बच गए। वहां सूचना पर आईं मोतीगंज प्रभारी निरीक्षक अनीता यादव ने बताया कि फायरिंग की पुष्टि नहीं हो सकी है। लेखपाल के नाक, हाथ व सिर पर चोटें आई है। उन्हें इलाज के लिए बूढ़ादेवर सीएचसी भेजा गया है। लेखपाल की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट की जा रही है। वहीं, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगाई गई है।

सदर तहसील लेखपाल संघ मंत्री आत्मराम वर्मा पर हमले के बाद वहां राजस्व कर्मियों ने पहुंचकर हालचाल लिया है। साथ ही कानून–व्यवस्था नाराजगी जताई है। वहीं, सूचना के बाद तहसीलदार सदर रंजन वर्मा ने भी जानकारी ली है। साथ ही बूढ़ादेवर सीएचसी पहुंचकर हालचाल लिया है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि शांति व्यवस्था कायम है। जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

शराब तस्कर हो गए सक्रिय, बिहार भेजी जा रही शराब की खेप

संवाददाता–देवरिया। रंगों का त्योहार होली नजदीक आते ही शराब तस्कर एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं। छोटे–छोट वाहनों से पड़ोसी प्रांत बिहार शराब की खेप पहुंचा रहे हैं। एक सप्ताह के अंदर लार पुलिस ने दो बड़ी कार्रवाई की है। यूपी–बिहार बार्डर के मेहरौना चेकपोस्ट पर दो बार शराब की खेप पकड़े जाने के बाद बार्डर के अन्य चेकपोस्टों पर भी पुलिस की चौकसी बढ़ा दी गई है। रंगों का त्योहार होली 14 मार्च को मनाई जाएगी। इस त्योहार को मनाने के लिए बाहर रह रहे लोग अपने घरों को आने लगे हैं। इस त्योहार में लोग तरह–तरह के व्यंजन बनाते हैं, कुछ लोग शराब भी पीते हैं। इस दिन शराब की मांग ज्यादा रहती है। पड़ोसी प्रांत बिहार में शराब की बिक्री व पीने पर पाबंदी है। इसलिए देवरिया के रास्ते बिहार में शराब की तस्करी बड़े पैमाने पर होने लगी है। सूत्रों का कहना है कि हरियाणा व अन्य जगहों से भी शराब की खेप जिले में स्टोर शराब तस्करों ने कर रखी है और उन्हें छोटे–छोटे वाहनों से बिहार भेज रहे हैं। लार थाना क्षेत्र के मेहरौना चेकपोस्ट पर 23 फरवरी की सुबह सब्जी की गाड़ी से बिहार भेजी जा रही 80 पेटी अंग्रेजी शराब लार पुलिस ने पकड़ा था। जबकि 28 फरवरी को लार पुलिस ने मेहरौना चेकपोस्ट पर वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने दूध वाहन से 40 पेटी देसी शराब बरामद किया था। एक सप्ताह में शराब की दो खेप पकड़े जाने के बाद पुलिस की चौकसी अन्य चेकपोस्ट पर बढ़ा दी गई है।

सुनील कुमार सिंह, एएसपी ने कहा कि बार्डर के सभी चेकपोस्ट पर वाहनों की सघन चेकिंग पुलिस कर रही है। पुलिस के सक्रियता के चलते ही एक सप्ताह में दो शराब की खेप पकड़ी गई है। तस्करों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जा रही है।

पुल के रेलिंग पर बैठा युवक संदिग्ध हालात में नहर में गिरा

संवाददाता–श्रावस्ती। फोरलेन पर स्थित सोनवा थाना क्षेत्र के दिकौली नहर पुल से एक युवक रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में पुल से नहर में गिर गया। पिता के शोर के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। घटनास्थल पहुंची पुलिस स्थानीय गोताखोर के सहयोग से युवक की नहर में तलाश करा रही है। गिलौला थाना क्षेत्र के ग्राम औरैया टिकई निवासी सलाहुद्दीन (26) सोनवा थाना क्षेत्र के दिकौली मोड़ पर गल्ला खरीदारी करता है। प्रतिदिन की भांति रविवार सुबह सलाहुद्दीन घर से पैदल दुकान आ रहा था। इस दौरान पीछे से उसका पिता कासिम भी आ रहा था।

भिनगा बहराइच फोरलेन स्थित दिकौली नहर पहुंचा सलाहुद्दीन थकान के कारण पुल की रेलिंग पर बैठ गया। इसी बीच अचानक संदिग्ध परिस्थितियों में वह नहर में गिर गया। पुत्र को नहर में गिरता देख पिता ने शोर मचाया। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ एकत्र हो गई। लोगों ने तमाम प्रयास किया लेकिन सलाहुद्दीन का पता नहीं चला। स्थानीय लोगों की सूचना के बाद पहुंची सोनवा पुलिस स्थानीय गोताखोर के सहयोग से नहर में युवक की तलाश करा रही है। फिलहाल युवक का कहीं पता नहीं चल सका है। इस बारे में थानाध्यक्ष सोनवा गणनाथ प्रसाद का कहना है कि स्थानीय गोताखोर के सहयोग से नहर में युवक की तलाश की जा रही है। उम्मीद है जल्द ही उसे खोज लिया जाएगा।

रोमांचक मुकाबले में अंतिम क्षणों में एक गोल दाग मेजबान देवरिया बना चैंपियन

संवाददाता–देवरिया। रवींद्र किशोर शाही स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रहे ओपेन स्टेट आमंत्रण सीनियर महिला हॉकी प्रतियोगिता के फाइनल में रविवार को मेजबान टीम देवरिया और वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज गोरखपुर के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया। इसमें देवरिया ने लगातर कई प्रयास के बाद अंतिम क्षणों में एक गोल दाग विप्क्षी टीम को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। खेल के दौरान तीन क्वार्टर गोलरहित बीता।

चौथे व अंतिम क्वार्टर में गोल होने के बाद खेल का निर्णय हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि खेल निदेशक डॉ.आरपी सिंह ने विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी व अन्य पुरस्कार प्रदान किया।

बछिया बांधने के विवाद में पूर्व प्रधान के भाई की हत्या

संवाददाता–बहराइच। हुजूरपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत गौर घोसियाना में सड़क पर बछिया बांधने को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। इस दौरान धारदार हथियार व गोली मारकर पूर्व प्रधान के भाई इसराइल की हत्या कर दी गई। हमले में पूर्व प्रधान के परिवार के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद से गांव में तनाव है। एहतियातन पुलिस तैनात कर दी गई है। एएसपी ग्रामीण डीपी तिवारी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर कार्रवाई का निर्देश थानाध्यक्ष को दिया है।

गौर घोसियाना निवासी इसराइल और अशरफ के बीच पुराना पारिवारिक विवाद है। इसराइल के भाई पूर्व प्रधान मुबारक ने आरोप लगाया कि शनिवार सुबह बेटा मुफीद (25) बाइक से दूध लेकर जा रहा था। इस दौरान रास्ते में बंधी बछिया की रस्सी में बाइक फंस गई। इस पर मुफीद ने विरोध किया तो अशरफ के पक्ष के लोग विवाद करने लगे। तब किसी तरह से विवाद शांत हो गया। मामला थाने पर भी गया।

मुबारक ने आरोप लगाया कि थाने से लौटने पर विपक्षियों ने छोटे बेटे पर हमला कर दिया। घर में कुरान पढ़ रही बहू पर भी हमला कर दिया। उसे बचाने दौड़े भाई इसराइल, मैनुद्दीन व तौफीक पर भी सभी ने हमला कर दिया। विपक्षियों ने इस दौरान धारदार हथियार से हमले के साथ कई राउंड गोलियां भी चलाईं, जिसमें गोली लगने से इसराइल (42) की मौत हो गई। वहीं, भाई मैनुद्दीन (40), भतीजा तौफीक(31) व बेटा मुफीद (25) गंभीर रूप से घायल हो गए।

मुबारक ने आरोप लगाया कि हमला सुनियोजित तरीके से किया गया। बहराइच से 10 से 12 लोग गए थे, जिन्हें पहचानते भी नहीं हैं। हम सभी गिड़गिड़ाते रहे और विपक्षी लाठी–डंडा व धारदार हथियार से हमला करते रहे। कई राउंड फायरिंग भी की। एएसपी ग्रामीण डीपी तिवारी ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और थाना प्रभारी अनिल मिश्रा को सख्त कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। एएसपी ने गांव में पुलिस टीम भी तैनात की। टकराव की आशंका में टीम को अलर्ट पर रखा गया है। आशंका है कि हत्या और हमले के बाद पीड़ित पक्ष भी आक्रामक हो सकता है।

दोनों पक्षों में तनातनी काफी दिनों से चल रही थी।

धनुष टूटते ही सियाराम के जयकारे से गूंजा पांडाल

संवाददाता–महराजगंज। कौलही में चल रहे विष्णु यज्ञ के दौरान कलाकारों ने धनुष यज्ञ और सीता स्वयंवर का मंचन किया। रावण–बाणासुर और परशुराम–लक्ष्मण संवाद सराहनीय रहा। धनुष टूटते ही सियाराम के जयकारे से पांडाल गूंज उठा।

मंचन किया कि राजा जनक के यज्ञशाला में बहुत से राजा के अलावा राम, लक्ष्मण, विश्वामित्र पहुंचे। तभी रावण भी पहुंच गया। निमंत्रण नहीं मिलने के चलते राजा जनक से नाराजगी व्यक्त किया। रावण से कुछ ही देर पहले बाणासुर वहां पहुंच चुके थे। रावण और बाणासुर के बीच संवाद दर्शकों को पसंद आया।

5 हजार की रिश्वत लेते आरपीएफ इंस्पेक्टर गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्डा। जिले के मनकापुर आरपीएफ पोस्ट पर तैनात इंस्पेक्टर श्याम राज को सीबीआई ब्रांच की लखनऊ एंटी करप्शन टीम ने 15 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। दरअसल वजीरगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले एक प्रेमी युगल ने ट्रेन के सामने कूद कर आत्महत्या का प्रयास किया था। घायल अवस्था में दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां पर प्रेमी की मौत हो गई थी। इस मामले में रेलवे से क्लेम पाने के लिए परिजन लगातार आरपीएफ इंस्पेक्टर से गुहार लगा रहे थे। बताया जाता है कि मामले में उन्हें कोई रिपोर्ट लगानी थी। क्लेम

देने के नाम पर आरपीएफ इंस्पेक्टर श्यामराज द्वारा बार–बार रिश्वत की मांग की जा रही थी। जिसको लेकर के पीड़ित परिजनों ने लखनऊ पहुंचकर के सीबीआई की एंटी करप्शन की टीम से पूरे मामले की शिकायत की थी। इसके बाद सक्रिय हुई एंटी करप्शन टीम ने आरपीएफ इंस्पेक्टर को गिरफ्तार कर अपने साथ लखनऊ ले गई बताया जाता है कि रविवार यानी आज उसे लखनऊ के सीबीआई कोर्ट में पेश किया जाएगा।

इस संबंध में आरपीएफ गोंडा कमांडेंट नरेंद्र पाल ने बताया कि सूचना मिली थी। हम वहां गए थे। तब तक टीम उन्हें लेकर लखनऊ चली गई थी। मुझे जो सूचना मिली है। उसके मुताबिक रुपया उनके हाथ या जब से बरामद नहीं हुआ है। इससे अधिक इस संबंध में मुझे कोई जानकारी नहीं है।

दो कार की आमने–सामने की टक्कर में 7 घायल दो की हालत गंभीर मेडिकल कॉलेज रेफर

संवाददाता–बहराइच। जिले के जरवल रोड लखनऊ– बहराइच हाईवे पर झुकिया गांव के पास हुए सड़क हादसे में 7 लोग घायल हो गए हैं। दरअसल लखनऊ जा रही अर्टिगा कार की सामने से आ रही ओमनी कार से जोरदार टक्कर हो गई। इसके बाद ओमनी कार अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना की सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक आदित्य कुमार पुलिस फोर्स के साथ पहुंच कर एंबुलेंस से सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। इस हादसे में बाराबंकी जिले के रामनगर थाना के गांव सूढ़िया मऊ के रहने वाले नफीस 28 वर्ष अली 25 वर्ष अब्दुल समद 26 वर्ष मोहर्रम अली 75 वर्ष मैकू 26 वर्ष नाजिया 35 वर्ष तथा आलम पुत्र आजम घायल हो गए। जरवल थाने के उप निरीक्षक ने बताया कि अर्टिगा कार के चालक ने लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाते हुए ओमनी कार में टक्कर मार दी। पुलिस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां पर दो की हालत गंभीर होने पर उसे बहराइच मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। इस संबंध में जरवल रोड थानाध्यक्ष ने बताया कि अर्टिगा कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। उसने लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाते हुए ओमनी कार में टक्कर मार दी। जिससे यह हादसा हुआ है।

गेहूं खरीद की तैयारी शुरू

संवाददाता–कुशीनगर। गेहूं के समर्थन मूल्य में इस साल सरकार ने 150 रुपये प्रति कुंतल की बढ़ोत्तरी की है। क्रय केंद्रों पर गेहूं 2425 रुपये प्रति कुंतल की दर से खरीदा जाएगा। 28 फरवरी को धान खरीद बंद होते ही अब जिले में गेहूं खरीद की तैयारी शुरू कर दी गई है। कुल 84 क्रय केंद्रों के माध्यम से किसानों से गेहूं खरीदा जाएगा। विभाग ने किसानों से खाद्य विभाग के पोर्टल पर अपना पंजीकरण करा लेने की अपील की है। हालांकि, गेहूं की फसल खेतों में अभी तैयार नहीं है, इसलिए क्रय केंद्र चालू होने में एक पखवारे का समय लग सकता है।

इस साल गेहूं खरीद के लिए हाट शाखा के 24, पीसीएफ के 38, पीसीयू के 14, एनसीसीएफ के तीन और भारतीय खाद्य निगम के पांच क्रय केंद्र बनाए गए हैं। चूंकि पिछले साल मार्च में ही क्रय केंद्र खोले जाने के निर्देश दिए गए थे। इसे ध्यान में रखते हुए विपणन विभाग ने समय रहते गेहूं क्रय केंद्रों की सूची तैयार कर ली है। कुल 84 क्रय केंद्र बनाए गए हैं। शासन की तरफ से विभाग को क्रय केंद्र चालू करने के संबंध में कोई निर्देश नहीं मिला है। क्योंकि गेहूं की फसल अभी खेतों में है। पूरी तरह तैयार भी नहीं हुई है।

नरेंद्र कुमार तिवारी, डिप्टी आरएमओ ने कहा कि गेहूं खरीद के लिए क्रय केंद्रों की सूची तैयार कर ली गई है। शासन से अभी क्रय केंद्र खोलने की तिथि निर्धारित नहीं की गई है।

आज से मां सरयू के तट पर प्रारंभ होगा महाआप्तोर्याम सोमयज्ञ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। मां सरयू के पावन तट पर 3 मार्च से श्री महाआप्तोर्याम सोमयज्ञ का होगा शुभारंभ। यह आयोजन श्रीरामजन्मभूमि के लिए समर्पित महंत अभिराम दास के नाम से संचालित वेद वेदांत शिक्षक प्रशिक्षण विद्यापीठम राजघाट बंधा बांध पर संस्कृत महाविद्यालय के प्रबंधक अखिल भारतीय निर्वाणी अनी अखाड़ा के पूर्व श्री महंत धर्मदास महाराज के नेतृत्व में 3 मार्च से 7 मार्च तक चलेगा। यह आयोजन हैदराबाद विजयवाडा के प्रकांड विद्वान ब्रह्म श्री रेण्डुचिन्तल यज्ञेश्वर याजुलु अग्निहोत्री महाराज के दिशा निर्देशन में संपन्न होगा।महंत धर्मदास ने बताया कि इस यज्ञ का नाम महाआप्तोर्याम सोमयज्ञम है। जो 3 मार्च को शुरू होगा और 7 मार्च 6 दिन तक अनवरत चलता रहेगा। उसके बाद इस यज्ञ का समापन होगा। ऐसा यज्ञ राजा दशरथ ने चार पांच बार किया था उसके बाद राम जी का अवतार हुआ था। यह यज्ञ करने का मुख्य उद्देश्य सारी सृष्टि की सुख शांति के लिए यह यज्ञ करना जरूरी है। यज्ञ की सारी तैयारी पूर्ण हो चुकी है।

यज्ञकर्ता ब्रह्मश्री रेण्डुचिन्तल यज्ञेश्वर याजुलु अग्निहोत्री महाराज ने बताया कि यह यज्ञ साक्षात भगवान को समर्पित है और यह यज्ञ कभी–कभी सृष्टि पर की जाती है भगवान श्री राम की जन्म भूमि अयोध्या में यह यज्ञ सोमवार से प्रारंभ होगा जो 7 मार्च तक चलेगा। यज्ञ में लगभग 40 वैदिक विद्वान प्रतिदिन अनुष्ठान करेंगे पाठ होगा और विधि विधान से आहुति दी जाएगी। यज्ञ का उद्देश्य विश्व शांति और जगत कल्याण की कामना है क्योंकि प्रभु श्री राम अपने जन्म स्थान पर विराजमान हो गए हैं अब पूरे विश्व में शांति हो इसी उद्देश्य से यह किया जा रहा है इसमें दक्षिण भारत वाराणसी और अयोध्या के विद्वान सम्मिलित होंगे।

तीर्थंकरों के साथ ऋषभदेव के 101 पुत्रों के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का हुआ शुभारंभ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।श्री दिगंबर जैन मंदिर की शीर्ष पीठ रायगंज स्थित भगवान ऋषभदेव के मंदिर में पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत 30 विभिन्न काल एवं लोक में हुए सभी 24 तीर्थंकरों की 720 प्रतिमाओं, भगवान ऋषभदेव के सभी 101 पुत्रों की प्रतिमाओं तथा कर्म के अनुसार विभिन्न लोकों में गति प्राप्त करते प्रसंगों की 727 प्रतिमाओं सहित कुल 1800 प्रतिमाओं का पंचकल्याणक संस्कार रविवार 2 मार्च से प्रारंभ हो गया है जो 6 मार्च तक चलेगा और इस संस्कार के फलस्वरूप पाषाण की प्रतिमाएं श्रद्धालुओं के लिए चिन्मय–चौतन्य हो उठेंगी। इन प्रतिमाओं के लिए जैन मंदिर के विशाल प्रांगण में तीन भव्य मंडप बनाए गए हैं। एक साथ एक हजार आठ सौ प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा के दुर्लभ अवसर मंदिर के विशाल प्रांगण में पग–पग पर दिखाई दे रहा है और देश के विभिन्न हिस्सों से आए हजारों श्रद्धालु पूरे भाव से उत्सव में शामिल हो रहे हैं।

उत्सव में सैकड़ों दंपती पौराणिक पटकथा के अनुसार इंद्र–इंद्राणी का स्वरूप ग्रहण कर भगवान ऋषभदेव के गर्भधारण की बेला में उत्सव मनाने के लिए सन्नद्ध होते हैं।तो उन युवक–युवतियों की संख्या इंद्र–इंद्राणियों का स्वरूप धारण किए श्रद्धालुओं से कई गुणा अधिक होती है, जो पूरी शास्त्रीयता और अवसर की भावना के अनुरूप मर्यादित नृत्य की प्रस्तुति से पंच कल्याणक महोत्सव का आनंद परिभाषित कर रहे होते हैं। रविवार को सुबह छह बजे ही भगवान ऋषभदेव के उत्सव विग्रह के पंचामृत अभिषेक से प्रारंभ होता है और देखते–देखते जैन मंदिर के 25 बीघा का प्रांगण आस्था, आदर्श, विश्वास, वैभव और भावना तथा भक्ति से तरंगायित हो उठता है।

अभिषेक के बाद जैन धर्म की सर्वोच्च साध्वी गणिनी प्रमुख ज्ञानमती माता क उद्बोधन में बताया कि भगवान श्री तो अपने अपूर्व, अद्भुत, अलौकिक और अनंत तपश्चर्या से शाश्वत अभिषिक्त हैं, वस्तुतरू यह अभिषेक उनके माध्यम से– उनके जीवन, संस्कार और देशना के प्रसाद स्वरूप संपूर्ण मानवता का अभिषेक है। हम संकल्पित हों उनके बताए रास्ते पर बढ़ने के लिए स्वयं के मस्तिष्क–प्रज्ञा और विवेक को इसके लिए तैयार कर सकें।परम पद को प्राप्त तीर्थंकर तो वापस इस जगत में नहीं आते, किंतु हमारे लिए उनकी प्रेरणा ही बहुत काम आ सकती है। उन्होंने इस अवसर को विश्व शांति और अहिंसा की प्रतिष्ठा का भी बताया।1800 प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा का महापर्व विश्व मे अहिंसा और शांति की स्थापना के संकल्प का है। अभिषेक के बाद सैकडों महिलाएं सिर पर मंगल कलश के साथ उस मंडप में प्रवेश करती हैं, जिसे स्वर्ग की तरह सज्जित किया गया होता है। कलश स्थापना और अखंड दीप के प्रज्वलन से यह संकल्प और घनीभूत होता है।

अभिषेक कलश यात्रा के बाद दूसरी बेला में विभिन्न धार्मिक उपक्रमों एवं कर्मकांडों के माध्यम से भगवान का गर्भ कल्याणक सम्पन्न हुआ और दिगंबर जैन मंदिर तीर्थ क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष एवं पीठाधीश रवींद्रकीर्ति स्वामी ने अपने उद्बोधन में बताया कि गर्भ कल्याणक जैसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान में सहभागी बनने का अवसर भगवान ऋषभदेव को आत्मस्थ करने का अवसर है। जैन दर्शन के तरफ ध्यान आकृष्ट कराते हुए उन्होंने कहा कि आज नहीं तो कल हमारे सत्कर्म उन ऊंचाइयों तक पहुंच सकते हैं, जहां से हम भी भगवान ऋषभदेव की तरह मोक्षगामी हो सकें, किंतु अभी हम उन्हें आत्मस्थ कर उनके मूल्यों और आदर्शों के साथ जीवन जीने का गौरव तो हासिल ही कर सकते हैं।

मुंडन समारोह में तमंचे संग डांस, वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने किया गिरफ्तारं

संवाददाता–महराजगंज। सिन्दुरिया थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव में एक मुंडन संस्कार के दौरान मंच पर नर्तकियों के साथ युवक का तमंचा लहराते हुए डांस करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आते ही पुलिस हरकत में आई और आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ शांति भंग की आशंका में विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष का कहना है कि विधिक कार्रवाई के बाद आरोपित युवक का न्यायालय चालान किया जाएगा। भगवानपुर गांव में एक व्यक्ति के घर आयोजित मुंडन संस्कार में मनोरंजन के लिए आर्केस्ट्रा पार्टी बुलाई गई थी। इस दौरान नर्तकियां मंच पर फरमाइशी गीतों पर नृत्य कर रही थीं। माहौल गर्म होते ही एक युवक नर्तकियों के नृत्य पर मुग्ध होकर स्टेज पर चढ़ गया। न केवल उसने नर्तकियों के साथ दुमके लगाए, बल्कि हाथ में तमंचा लहराते हुए डांस करने लगा। वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर डाल दिया। रविवार को वीडियो तेजी से वायरल होने लगा। इससे पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया। आरोपित को चिह्नित कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई। इस वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की अलग–अलग प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी। कुछ लोगों ने इसे कानून–व्यवस्था के लिए खतरा करार दिया। मामला संज्ञान में आने के बाद पुलिस ने तत्काल कदम उठाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

अखिलेश वर्मा, एसओ ने कहा कि युवक की पहचान कर उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ शांति भंग की आशंका में विधिक कार्रवाई की जा रही है। प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायालय चालान किया जाएगा। किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम में इस तरह की हरकतें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। ऐसे कृत्यों से न केवल माहौल खराब होता है, बल्कि यह अपराध की श्रेणी में आता है। लोगों से अपील की कि अगर वे किसी भी अवैध गतिविधि को देखें तो तुरंत इसकी सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

नौतनवा चौराहे के पास मिली महिला का शव

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा कस्बे के पुराने नौतनवा चौराहे के पास मुख्य मार्ग पर रविवार की सुबह एक महिला के शव पड़े होने की सूचना मिली। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार किसी वाहन की ठोकर से महिला की मौत हुई है। महिला विक्षिप्त बताई जा रही है। कस्बे के मुख्य मार्ग पर एक महिला की अज्ञात वाहन से टकराने से मौत की सूचना राहगीरों ने पुलिस को दी। पुलिस के मुताबिक महिला विक्षिप्त लग रही है। रात के समय किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से उसकी मौत हुई है। वह मांग कर अपना जीवनयापन कर रही थी। प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

राप्ती नदी में कूदे युवक का दो दिन बाद मिला शव

संवाददाता–महराजगंज। राप्ती नदी में कूदे युवक का शव दो दिन बाद रविवार को नदी में उतराते हुए मिला। युवक के कूदने वाली जगह से सौ मीटर दूरी पर ही शव मिला। शव मिलने के बाद लोगों की भारी भीड़ जुट गई। शव की पहचान राजन पासवान (22) पुत्र गणेश पासवान के रूप में हुई। शुक्रवार को यह युवक पुल से अचानक राप्ती नदी में छलांग लगा दिया था। धानी खड़खड़िया पुल से राजन पासवान ने नदी मे छलांग लगाई थी। राहगीरों की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने पास पड़े चप्पल की पहचान राजन के चप्पल के रूप में की थी। इसके बाद तय हो गया था कि नदी में कूदने वाला राजन ही है। पहले पुलिस ने आसपास के गोताखोरों को लगाकर उसकी तलाश कराई। बाद में एसडीआरएफ की टीम लगाई गई। एसडीआरएफ की टीम ने घटनास्थल से सौ मीटर दूर शव को बरामद कर बाहर निकाला।

चौकी प्रभारी धानी नवनीत नगर का कहना है कि राप्ती नदी में शव उतराता हुआ दिखाई दिया। उसे बाहर निकलवाकर पहचान कराई गई। मृतक की पहचान राजन पासवान के रूप में हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

सख्त कानून के बूते महिलाओं को बेहतर सुरक्षा उपलब्ध करा रही सरकार -प्रतिभा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर।। जनपद स्थापना के अवसर पर सिद्धार्थनगर महोत्सव के अवसर पर रविवार को बाल विकास विभाग के योजनाओं विषयक गोष्ठी आयोजित की गई।

राज्य मंत्री महिला कल्याण एवं बाल विकास पुष्टाहार विभाग प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाने एवं सुरक्षा प्रदान करने के लिए कानून बनाया गया है, जिसको आगे बढ़ाने का कार्य प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ द्वारा किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ गर्भवती महिलाओं को दिलाने के लिए बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा कार्य किया जा रहा है। बच्चों को कुपोषण मुक्त बनाने का कार्य आंगनबाड़ी बहने एवं सहायिका मिलकर करें। बच्चों को अच्छे संस्कार व शिक्षा प्रदान करें।

बेहतर कार्य करने के लिए जल्द ही मोबाइल फोन उपलब्ध कराया जाएगा। केंद्रीय बजट में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की समस्याओं के दृष्टिगत जारी किया गया है। जिसका लाभ आप सभी को प्राप्त होगा।

उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्री व सहायिका को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि अगर हम लक्ष्य बनाकर किसी कार्यों को करते है तो निश्चित ही उसमें सफलता प्राप्त करते है। मुझे उम्मीद है कि आप सभी बहने मिलकर जनपद को कुपोषण मुक्त बनाएंगी। मंत्री द्वारा अतिकुपोषित बच्चों के माता को पोषण किट वितरित किया गया तथा गर्भवती महिलाओं का गोद भराई किया गया। इसके साथ बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया।

हादसे के बाद प्रशासन ने हटवाया अतिक्रमण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर।। एसडीएम शशांक शेखर राय, कोतवाल रामकृपाल शुक्ल ने रविवार को पुलिस बल और नगर पालिका की टीम के साथ एनएच 28 पर हुआ अतिक्रमण हटवाया। साथ ही सड़क पर खड़ी बाइक व अन्य वाहनों का चालान किया।

शनिवार को बांसी तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक समेत जिले के सभी अधिकारी मौजूद थे। इसी बीच तहसील कार्यालय गेट के सामने ट्रक की चपेट में आने से एक प्राइवेट फाइनेंस कंपनी में काम करने वाले 32 वर्षीय युवक की जान चली गई। इस हादसे के लिए लोगों ने सड़क पर हुए अतिक्रमण और वाहनों के खड़ा होने को जिम्मेदार ठहराया था।

12 बोरी यूरिया बरामद तीन संदिग्ध दबोचे गए

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। एसएसबी 43वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल की सीमा चौकी लोहटी की टीम ने रविवार को चेकिंग के दौरान 12 बोरी यूरिया के साथ तीन संदिग्धों को पकड़ा। आरोपियों ने बताया कि वह यूरिया लेकर नेपाल जा रहे थे। पूछताछ करने के बाद बढ़नी कस्टम को सुपुर्द कर दिया है।

एसएसबी 43वीं वाहिनी सीमा चौकी लोहटी के जवानों को जानकारी मिली के कुछ तस्कर यूरिया लेकर नेपाल जाने वाले हैं। टीम अलर्ट हो गई और और सीमा स्तंभ संख्या–563 के समीप पहुंचने के कुछ लोग बोरी लादे भारत से नेपाल की तरफ जाते हुए दिखे। घेराबंदी की कोशिश की तो नेपाल के तरफ भागने लगे। घेराबंदी कर उनका पीछा कर सभी तीन व्यक्तियों को पकड़ लिया गया।

कुल 12 बोरी यूरिया और तीन बाइक बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने अपनी पहचान विजय यादव, गांव बहादुरगंज, जिला कपिलवस्तु नेपाल, राजाराम यादव निवासी अजगरा जिला– कपिलवस्तु, सूरज चौबे निवासी बहादुरगंज, जिला कपिलवस्तु नेपाल बताया।

पूछताछ में बताया कि खाद नेपाल लेकर जा रहे थे। पकड़ी गई खाद सहित आरोपियों को बढ़नी कस्टम को सुपुर्द कर दिया गया।

प्रो हनुमान प्रसाद बने महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि वर्धा के कुलपति

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या के मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के बलारमऊ गांव निवासी प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल ने महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के कुलपति पद का कार्यभार ग्रहण कर ज़िले का मान बढ़ाया। प्रो. शुक्ल वर्तमान में हिन्दी विश्वविद्यालय के तुलनात्मक साहित्य विभाग में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं।

उच्च शिक्षा में अपनी बेहतर पहचान रखने वाले प्रो. शुक्ल हिन्दी भाषा, साहित्य और संस्कृति के आचार्य के रूप में प्रतिष्ठित हैं। तीन दशक से शोध, अकादमिक लेखन और शिक्षण में संलग्न हैं।अनेक पुस्तकों के लेखन–संपादन के साथ विभिन्न राष्ट्रीय– अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध– पत्र प्रकाशित है।

हाल ही में आई उनकी संपादित पुस्तक राष्ट्र, धर्म और संस्कृति तब काफी चर्चित हुई। जब महामहिम राज्यपाल से भेंट के दौरान मुख्यमंत्री ने यह पुस्तक उन्हें सप्रेम भेंट की। प्रो. शुक्ल का हिंदी विश्वविद्यालय में विभिन्न अकादमिक, प्रशासनिक एवं शैक्षिक दायित्वों के निर्वहन का लम्बा

अनुभव है। डेढ़ दशक तक विश्वविद्यालय के प्रशासनिक दायित्वों का गहरा अनुभव रखने वाले प्रो. शुक्ल ने पूर्व में वित्त अधिकारी एवं समकुलपति के पद की भी जिम्मेदारी सफलतापूर्वक संभाली।

अकादमिक रूप से पूर्व में साहित्य विभाग, भाषा– प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष का दायित्व संभाला। तीन बार भाषा विद्यापीठ के अधिष्ठाता रहे, एक बार अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के अधिष्ठाता का पदभार संभाला। वर्तमान में भी अंतरराष्ट्रीय हिंदी शिक्षण विभागाध्यक्ष, अनुवाद अध्ययन विभागाध्यक्ष, अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ क अधिष्ठाता पद का दायित्व भी प्रो. शुक्ल संभाल रहें हैं।

इसके अतिरिक्त परा विद्या उच्च शोध एवं ज्ञान सर्जन केन्द्र के निदेशक के रूप में कार्य करते हुए भारतीय संस्कृति को बढ़ावा दे रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी समाजिक के रूप में विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के माध्यम से विदेशी छात्रों को हिन्दी से जोड़ने का प्रयास कर रहें हैं।

प्रोफेसर शुक्ल ज्ञानानुशासन के क्षेत्र में हिन्दी के क्षितिज–विस्तार और रूपांतरण के लिए निरंतर यत्नशील हैं। काव्यशास्त्र, भाषाविज्ञान और तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन में इनकी गहरी अभिरुचि है। प्रो. शुक्ल के कुलपति पद पर चयन होने से परिवारजनों, क्षेत्रवासियों एवं विद्यार्थियों में खुशी की लहर है।

हत्या के मामले में परिजनों से मिले सपा प्रदेश अध्यक्ष

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जलालपुर कोतवाली क्षेत्र में बीते 17 फरवरी को जीवत खुरमुल्लीपुर गांव में जमीन विवाद में राजा भोज विश्वकर्मा की हत्या हो गई थी। पीड़ित परिवार का आरोप है कि गांव के वीरेंद्र पाठक से जमीनी विवाद को लेकर दीवानी मुकदमा चल रहा है। राजा भोज विश्वकर्मा न्यायालय से तारीख देखकर घर लौटे थे। इसी शाम को विपक्षियों ने पीट दिया था, जिससे राजा भोज की मौत हो गई थी। रविवार को सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और हर संभव मदद दिलाने का भरोसा दिलाया। प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने कहा कि अंबेडकरनगर जिले में ही बाबा साहब का संविधान सुरक्षित नहीं रह गया है। जिले में जंगल राज कायम है। लोगों पर अत्याचार बढ़ गया है। गरीबों और पीड़ितों को थाने और कोतवाली में न्याय नहीं मिल रहा है। मजलूमों, गरीबों और शोषितों को न्याय दिलाने के लिए सपा सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ेगी।

जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले में 256 मरीजों का हुआ उपचार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले में 256 मरीजों का जांच व उपचार हुआ। डुमरियागंज नगर स्थित न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले में 14 मरीज अस्पताल पर इलाज कराने के लिए पहुंचे। नगर पंचायत बिस्कोहर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और कठौतिया रामनाथ स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में 242 मरीजों का इलाज किया गया। इसमें जुकाम, बुखार और हड्डी जोड़ दर्द रोग के मरीज शामिल रहे। मरीजों की चिकित्सकों द्वारा जांच कर उन्हें दवा दी गई। इनमें जुकाम बुखार के मरीज अधिक रहे। न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डुमरियागंज पर आयोजित जन आरोग्य स्वास्थ्य मेला सुबह नौ बजे से शुरु होकर दोपहर दोपहर तीन बजे तक चला। इस दौरान डॉ. बीके सिंह, डॉक्टर राम किशोर प्रजापति, फार्मासिस्ट पवन श्रीवास्तव, एलए सुभाष तिवारी, एएनएम गीतांजली, पूजा यादव आदि मौजूद रहीं। नगर पंचायत बिस्कोहर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और कठौतिया रामनाथ स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में 242 मरीजों का इलाज किया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉ. एससी शर्मा की मौजूदगी में कुल 212 मरीजों का इलाज किया गया। सबसे अधिक वायरल फीवर के मरीज पहुंचे। शांति देवी ने बताया कि उसके बच्चे को हल्का बुखार के साथ खांसी आ रही है। लमुइया की रहने वाली आंचल ने शरीर में दर्द की दवा ली। डॉ. शर्मा ने बताया कि बदलते मौसम की वजह से वायरल फीवर की गिरफ्त में छोटे बच्चे ज्यादा आ रहे हैं।

कठौतिया रामनाथ स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर जन आरोग्य मेले में 30 महिला, पुरुष एवं बच्चों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए दवा दी गई। डॉ. राहुल कुमार की मौजूदगी में मरीजों का इलाज किया गया। बदलते मौसम में स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी गई। इस मौके पर धीरज राय, त्रिशूल धर चतुर्वेदी, शत्रुघ्न निषाद, अमित त्रिपाठी , राजू आदि मौजूद रहे।

महाकुंभ खत्म होते ही घटी राम मंदिर में भीड

संवाददाता–अयोध्या। महाकुंभ समाप्त होने के बाद रामनगरी में श्रद्धालुओं की भीड़ कम हो गई है। भीड़ घटी है तो श्रद्धालुओं को रामलला के सुगम दर्शन मिलने लगे हैं। लाइन में लगकर एक घंटे के भीतर रामलला के दर्शन श्रद्धालुओं को हो गए। एक दिन पहले तक रामलला के दर्शन में तीन से चार घंटे लगे थे। राम मंदिर में एक बार फिर मोबाइल व बैग ले जाने पर रोक लगा दी गई है।

महाशिवरात्रि के बाद रामलला के दरबार में ढाई लाख लोगों ने दर्शन किए। मंदिर सुबह पांच बजे खुला और रात्रि 10:30 बजे तक दर्शन हुए। श्रद्धालुओं को रामलला के दरबार पहुंचने के लिए कम दूरी तय करनी पड़ी। इससे पहले डायवर्जन के चलते श्रद्धालु चार से पांच किलोमीटर पैदल चलकर राममंदिर दर्शन करने पहुंच पाते थे। अब मात्र 500 मीटर से लेकर एक किलोमीटर पैदल चलकर श्रद्धालु दर्शन पथ पर पहुंच पा रहे हैं। हर एक श्रद्धालु को 50 से 60 मिनट में दर्शन मिले। रामलला के दरबार में अप्रत्याशित भीड़ उमड़ी तो व्यवस्थाएं भी चरमरा गईं थीं। श्रद्धालुओं की चेकिंग भी होना बंद हो गई। इसके चलते श्रद्धालु अपने सामान व मोबाइल लेकर राममंदिर जाने लगे थे। शनिवार को भीड़ सामान्य हुई तो व्यवस्थाएं पटरी भी लौटने लगी हैं। चेकिंग व्यवस्था फिर प्रभावी कर दी गई है। वहीं रामलला के श्रद्धालुओं को प्रसाद का पैकेट भी अब बांटा जाने लगा है, जो पिछले एक पखवाड़े से बंद था। श्रद्धालुओं में प्रसाद के लिए मारामारी देखते हुए बसंत पंचमी से प्रसाद वितरण पर रोक लगा दी गई थी।

लॉजिस्टिक में है रोजगार के अवसर

संवाददाता–गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय में उद्योग की आवश्यकताओं और कार्यबल कौशल विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान को लॉजिस्टिक्स सेक्टर स्किल काउंसिल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविकांत यामर्थी ने संबोधित किया। उन्होंने बताया कि इसमें रोजगार के अवसर है। उद्योगों के विकास के साथ ही लॉजिस्टिक मैनेजमेंट की मांग बढ़ रही हैं। इसके लिए कंपनियां खुल गई हैं। युवा इसे स्टार्टअप बना रहे हैं। श्री यामर्थी ने विद्यार्थियों को वर्तमान दौर में लॉजिस्टिक को व्यापक संभावनाओं वाला क्षेत्र बताते हुए इसके अनेक पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने बीबीए इन लॉजिस्टिक्स पाठ्यक्रम के महत्व और इसमें करियर की संभावनाओं को उदाहरणों से समझाया। इस अवसर पर प्रो. एस गणेशन, प्रो. गायत्री एच, डॉ. तरुण शर्म की भी सहभागिता रही।

स्क्वायड कमेटी ने जांच की शुरू दो सीनियर समेत चार छात्रों के नाम आए सामने

संवाददाता–गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस छात्र से रैगिंग का मामला गर्माता जा रहा है। एमबीबीएस छात्र के सिर के बाल काटने को लेकर मारपीट के मामले की जांच शुरू हो गई है। यह जांच मेडिकल कॉलेज की स्क्वायड कमेटी कर रही है। इसमें दो सीनियर समेत चार छात्रों के नाम सामने आए हैं। स्क्वायड कमेटी के अगुआ दंत रोग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. मनोज यादव हैं। स्क्वायड कमेटी ने पीड़ित और आरोपी एमबीबीएस छात्रों से बात की। अब तक चार छात्रों के नाम सामने आए हैं। इनमें से एमबीबीएस 2023 और एमबीबीएस 2024 बैच के दो–दो छात्र शामिल हैं। स्क्वायड कमेटी आरोपी छात्रों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

मेडिकल कॉलेज में गुरुवार को कुछ छात्रों ने एमबीबीएस 2024 बैच के एक छात्र को पीट दिया। आरोप है कि छात्र ने सिर के बाल नहीं कटवाये थे। इसको लेकर एमबीबीएस–2024 बैच के छात्रों के बीच आपस में टशन था। गुरुवार को एमबीबीएस–24 बैच के छात्रों ने ही साथी को पार्किंग के पास घेर लिया। घेरने वाले ज्यादातर छात्र हॉस्टल के रहने वाले थे। वह साथी पर बाल कटवाने का दबाव बनाने लगे। इसके बाद से ही मामला बिगड़ने लगा। छात्र ने इससे इनकार कर दिया। इतना ही नहीं हॉस्टल में रहने वाले छात्रों का मजाक भी उड़ाया। यहीं से बात बिगड़ गई। हॉस्टल के छात्रों ने सीनियरों को इसकी जानकारी दे दी। बताया जा रहा है कि दर्जन भर की संख्या पहुंचे सीनियरों ने पीड़ित छात्र को पीट दिया। इसके बाद पीड़ित छात्र ने मामले की शिकायत प्राचार्य से की। सूत्रों के मुताबिक पीड़ित छात्र ने अपने प्रार्थना पत्र में चार छात्रों के नाम दिए हैं। जिनमें से दो सीनियर बैच के छात्र हैं। बताया जाता है कि पांच सदस्यीय स्क्वायड कमेटी ने शनिवार से प्राचार्य कार्यालय में स्थित सभागार में जांच शुरू की। इस कमेटी ने पीड़ित और आरोपी छात्रों को बारी–बारी तलब किया। इसके अलावा उन छात्रों से भी बयान लिए जो मौके पर मौजूद रहे। कमेटी अभी किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। कमेटी तीन दिन में अपनी रिपोर्ट प्राचार्य को सौंपेगी।

शोहरतगढ़ की टीम ने नौगढ़ को 44 रन से हराया

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिला स्पोर्ट स्टेडियम में रविवार को आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए शोहरतगढ़ की टीम ने निर्धारित 35 ओवर में नौ विकेट खोकर 295 रन बनाए। जवाब में उतरी नौगढ़ की टीम 26.02 ओवर में 239 रन बनाकर आल आउट हो गई। इस प्रकार से शोहरतगढ़ की टीम ने मैच में नौगढ़ को 44 रन से हरा दिया। शोहरतगढ़ की ओर से सर्वाधिक रन दिव्यांश उपाध्याय के नाबाद 59, मनीष यादव 55, माणिक वर्मा 34, गोपाल चौधरी 19 व अक्षत सिंह के 27 रनों के बूते 295 रन बनाए। नौगढ़ की तरफ से यासीन तीन विकेट, सागर ने एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नौगढ़ की टीम 26.02 ओवर में 239 रन बना पाई। इसमें अर्जुन साहनी 143, प्रियांशु अग्रहरि 24, चंदन गिरी 11 व संदीप ने 21 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भाजपा सरकार में महंगाई चरम पर –सैय्यदा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के ग्राम अजगरा और मिरवापुर में रविवार को सपा का पीडीए जनचौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधायक सैय्यदा खातून ने कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई चरम पर है। नौजवानों को रोजगार नहीं मिल रहा है और व्यापारी परेशान हैं। किसानों को समय पर खाद–बीज नहीं मिल रहा है। इस दौरान सियाराम, अरुण, देवी लाल चौहान, बजरंगी चौधरी, रामजीत यादव, बब्लू चौधरी आदि मौजूद रहे।

एसडीएम और ईओ ने चिह्नित किया अतिक्रमण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। एसडीएम राहुल ने रविवार को नगर पंचायत शोहरतगढ़ कस्बे सहित स्टेशन रोड की सड़क की पटरियों पर अतिक्रमण करने वालो को अतिक्रमण हटाने के लिए चेतावनी दिया है।

कहा कि सड़क की पटरी जिसने कब्जा किया है। वह एक हफ्ते के अंदर हटा लें, नही तो सख्ती से बलपूर्वक अतिक्रमण को जेसीबी मशीन लगा हटाया जाएगा और कार्रवाई भी किया जाएगा। नगर पंचायत प्रशासन को निर्देशित किया कि पट्टी लगाकर चिन्हित कर दे, अतिक्रमण कारी चिंहित पट्टी अंदर हो जाए।

शोहरतगढ़ कस्बे से एनएच–730 हाइवे मार्ग निकली है। थाना गेट से तिरंगा चौराहा, गड़ाकुल से होते तहसील तक सड़क की पटरियों पर अतिक्रमण है, उधर पुलिस पिकेट से एक्वान तिराहा से नीबी दोहनी तक और तिरंगा चौराहा से स्टेशन जाने वाली सड़क की पटरी पर अतिक्रमण फैला है। लोग ठेला, खुमचा, दुकान का काउंटर बढ़ा कर कब्जा कर लिए है। इससे कस्बे में जाम की स्थिति हो जाती है। कस्बे में घंटों जाम लग जाता है। इस समस्या को लेकर अमर उजाला ने खबर के माध्यम से कस्बे वासियों के आवाज को उठाया था। कई बार व्यापार मंडल ने डीएम के समक्ष पेश होकर कस्बे हुए अतिक्रमण को लेकर मुद्दा उठाया।

डीएम के आदेश पर रविवार को एसडीएम राहुल सिंह, ईओ अजय कुमार टीम के साथ पूरे कस्बे में लोगो को चेतावनी दिया कि सड़क की पटरी जिससे भी अतिक्रमण किया है, वह एक सप्ताह के अंदर हटा लें।

अयोध्या में भव्य राम बारात 3 मार्च को, 4 मार्च को होगा सीताराम विवाह

संवाददाता–अयोध्या। 3 मार्च को श्रीराम की भव्य बारात निकलेगी, जबकि 4 मार्च को सीताराम विवाह महोत्सव का आयोजन होगा। इन आयोजनों के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। 45 दिन तक चले भव्य अयोध्या कुंभ मेले में करीब 5 करोड़ श्रद्धालुओं ने रामलला के दर्शन किए और आस्था का संगम देखा। राम बारात 3 मार्च को पूरी भव्यता और परंपराओं के साथ निकलेगी। यह आयोजन भगवान श्रीराम के विवाहोत्सव का एक प्रमुख हिस्सा है, जिसे श्रद्धालु बड़े उत्साह के साथ मनाते हैं। राम बारात के दौरान, श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न की झांकी निकाली जाएगी, जो जनकपुरी पहुंचेगी। राम बारात के साथ भजन–कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे, जिनमें विभिन्न प्रदेशों से आए कलाकार भगवान राम और माता सीता के जीवन से जुड़े प्रसंगों का मंचन करेंगे।

सीताराम विवाह महोत्सव 4 मार्च को भव्य तरीके से आयोजित किया जाएगा। इस दौरान अयोध्या को भव्य रूप से सजाया जाएगा। विवाह मंडप को भव्य लाइटिंग और फूलों से सजाया जाएगा। इस अवसर पर भव्य आरती, हवन और अन्य धार्मिक

अनुष्ठान किए जाएंगे। इस आयोजन के दौरान विभिन्न संतों, महंतों और धार्माचार्यों का प्रवचन भी होगा। अयोध्या आने वाले श्रद्धालु इस पावन आयोजन का हिस्सा बनेंगे और प्रभु श्री राम व माता सीता के दिव्य विवाह का साक्षी बनने का सौभाग्य प्राप्त करेंगे।

45 दिन तक चले अयोध्या कुंभ मेले में करीब 5 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे और उन्होंने रामलला के दर्शन किए। इस दौरान धार्मिक अनुष्ठान, गंगा स्नान, प्रवचन और संत समागम आयोजित किए गए। श्रद्धालुओं ने भजन–कीर्तन, गीता पाठ और अन्य धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लिया। कुंभ मेले के दौरान अयोध्या में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। पुलिस और प्रशासन की ओर से ट्रैफिक और भीड़ प्रबंधन की विशेष व्यवस्था की गई थी, जिससे श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो।

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद से धार्मिक आयोजनों में भक्तों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। रामलला के दर्शन के लिए हर दिन लाखों श्रद्धालु आ रहे हैं, जिससे स्थानीय व्यापारियों और होटल व्यवसायियों को भी लाभ हो रहा है।

अयोध्या प्रशासन ने राम बारात और सीताराम विवाह महोत्सव के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। पुलिस और प्रशासन की ओर से ट्रैफिक प्लान तैयार किया गया है, जिससे श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो।

सूचना

पहले मेरा नाम ABDUL QUDDUS s/o ABDUL WAHEED था।

अब मुझे ABDUL KUDDUS s/o ABDUL WAHEED ग्राम व पोस्ट करही थाना, दुधारा, संतकबीरनगर के नाम से जाना पहचाना जाए।

सूचना

पहले मेरा नाम SALMA KHATOON w/o ABUDUL KUDDUS था।

अब मुझे SALMA w/o ABUDUL KUDDUS ग्राम व पोस्ट करही, थाना दुधारा, जिला संतकबीरनगर के नाम से जाना पहचाना जाए

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– T 202117140202072

धारा 24 उ0प्र0रा0सं0–2006

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय भानपुर जिला बस्ती

सादुल

बनाम

अ0भू0प्र0स0

1. अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति द्वारा ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत बनगवा तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 2. अमरचन्द्र पुत्र राम किशोर 3. अयांश पुत्र घनश्याम 5. आर्यन पुत्र घनश्याम 5. गुलाब चन्द्र पुत्र राम किशोर 6. श्रीमती करोड़ा देवी पत्नी राम किशोर 7. श्रीमती माया देवी पत्नी घनश्याम 8. सुबाष चन्द्र पुत्र रामकिशोर 9. खेदूराम पुत्र पहलु 10. रामसूरत पुत्र पहलु 11. श्रीमती करोड़ा देवी पत्नी किशोर 12. लल्लू पुत्र सहाई 13. सालिगराम पुत्र सहाई 14. सूरतराम पुत्र जोखू साकिनान बस्ती अलावल तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 05–03–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 05 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक स्व0 दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com